भारतीय रेल

# महाकुम्भ 2025 स्पेशल

प्रयागराज और संगम क्षेत्र के माध्यम से **13,479** से अधिक ट्रेन यात्राएं जिनमें **3450** से अधिक विशेष ट्रेन यात्राएं शामिल हैं।

| ट्रेन नं. | स्टेशन | गंतव्य स्टेशन | प्रस्थान की तारीख | प्रस्थान समय |
|---|---|---|---|---|
| 01033 | सीएसएमटी, मुंबई | मऊ जंक्शन | 05.02.25, 22.02.25, 26.02.25 | 11.30 |
| 01034 | मऊ जंक्शन | सीएसएमटी, मुंबई | 06.02.25, 23.02.25, 27.02.25, | 23.50 |
| 01217 | नागपुर | दानापुर | 05.02.25, 09.02.25, 23.02.25 | 10.00 |
| 01218 | दानापुर | नागपुर | 06.02.25, 10.02.25, 24.02.25 | 16.00 |
| 01455 | पुणे जं. | मऊ जं. | 06.02.25, 08.02.25, 21.02.25 | 10.10 |
| 01456 | मऊ जं. | पुणे जं. | 07.02.25, 09.02.25, 22.02.25 | 23.50 |
| 01661 | रानी कमलापति (भोपाल) | बनारस | 06.02.25, 17.02.25, 20.02.25 | 11.10 |
| 01662 | बनारस | रानी कमलापति (भोपाल) | 07.02.25, 18.02.25, 21.02.25 | 14.45 |
| 01801 | वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी | सूबेदारगंज | 01.02.25, 02.02.25, 08.02.25, 09.02.25, 15.02.25, 16.02.25, 22.02.25, 23.02.25 | 6.10 |
| 01802 | सूबेदारगंज | वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी | 01.02.25, 02.02.25, 08.02.25, 09.02.25, 15.02.25, 16.02.25, 22.02.25, 23.02.25 | 14.45 |
| 02417 | सूबेदारगंज | दिल्ली जं. | 31.01.25, 01.02.25, 07.02.25, 08.02.25, 14.02.25, 15.02.25, 21.02.25, 22.02.25, 28.02.25 | 21.35 |
| 02418 | दिल्ली जं. | सूबेदारगंज | 01.02.25, 02.02.25, 08.02.25, 09.02.25, 15.02.25, 16.02.25, 22.02.25, 23.02.25, 01.03.25 | 9.30 |
| 03021 | हावड़ा | टूंडला जं. | 05.02.25, 07.02.25, 14.02.25, 21.02.25, 26.02.25 | 19.35 |
| 03022 | टूंडला जं. | हावड़ा | 07.02.25, 09.02.25, 16.02.25, 23.02.25, 28.02.25 | 11.20 |
| 03023 | हावड़ा | टूंडला जं. | 16.02.25, 17.02.25, 18.02.25, 20.02.25 | 0.30 |
| 03024 | टूंडला जं. | हावड़ा | 17.02.25, 18.02.25, 19.02.25, 21.02.25 | 11.20 |
| 03025 | हावड़ा | टूंडला जं. | 28.02.25 | 5.45 |
| 03026 | टूंडला जं. | हावड़ा | 01.03.25 | 11.20 |
| 03029 | हावड़ा | टूंडला जं. | 06.02.25, 20.02.25 | 19.35 |
| 03030 | टूंडला जं. | हावड़ा | 08.02.25, 22.02.25 | 3.00 |
| 03031 | हावड़ा | भिंड | 19.02.25 | 0.30 |
| 03032 | भिंड | हावड़ा | 21.02.25 | 3.30 |
| 03219 | पटना जं. | प्रयागराज जंक्शन | 07.02.25, 08.02.25, 09.02.25, 10.02.25, 15.02.25, 16.02.25, 17.02.25, 18.02.25, 20.02.25, 22.02.25, 23.02.25, 24.02.25 25.02.25, 27.02.25, 28.02.25 | 14.25 |
| 03409 | मालदा टाउन | प्रयागराज जंक्शन | 06.02.25, 08.02.25, 15.02.25 20.02.25, 22.02.25 | 20.45 |
| 03689 | गया जं. | प्रयागराज जंक्शन | 07.02.25, 08.02.25, 09.02.25, 10.02.25, 15.02.25, 16.02.25, 17.02.25, 18.02.25, 20.02.25, 22.02.25, 23.02.25, 24.02.25, 25.02.25, 27.02.25, 28.02.25 | 2.20 |
| 04065 | फाफामऊ जं. | दिल्ली जं. | 01.02.25, 09.02.25, 17.02.25, 28.02.25 | 23.30 |
| 04066 | दिल्ली जं. | फाफामऊ जं. | 31.01.25, 08.02.25, 16.02.25, 27.02.25 | 23.25 |
| 04145 | सूबेदारजंगज | दिल्ली जं. | 30.01.25, 06.02.25, 13.02.25, 20.02.25, 27.02.25 | 21.35 |
| 04146 | दिल्ली जं. | सूबेदारजंगज | 31.01.25, 07.02.25, 14.02.25, 21.02.25, 28.02.25 | 9.30 |
| 04153 | कानपुर सेंट्रल जंक्शन | भागलपुर | 03.02.25, 10.02.25, 17.02.25 | 14.00 |
| 04154 | भागलपुर | कानपुर सेंट्रल जंक्शन | 04.02.25, 11.02.25, 18.02.25, 21.02.25 | 8.40 |
| 04315 | फाफामऊ जं. | देहरादून | 10.02.25, 17.02.25, 24.02.25 | 6.30 |
| 04316 | देहरादून | फाफामऊ जं. | 09.02.25, 16.02.25, 23.02.25 | 8.10 |
| 04525 | फाफामऊ जं. | भटिंडा जं. | 09.02.25, 19.02.25, 23.02.25 | 6.30 |
| 04526 | भटिंडा जं. | फाफामऊ जं. (प्रयागराज) | 08.02.25, 18.02.25, 22.02.25 | 04.30 |
| 04527 | फाफामऊ जं. (प्रयागराज) | अम्ब अंदौरा | 10.02.25, 16.02.25, 24.02.25 | 22.30 |
| 04528 | अम्ब अंदौरा | फाफामऊ जं. (प्रयागराज) | 15.02.25, 23.02.25 | 22.05 |
| 04661 | फाफामऊ जं. (प्रयागराज) | अमृतसर जं. | 08.02.25 | 6.30 |
| 04662 | अमृतसर जं. | फाफामऊ जं. | 06.02.25 | 20.10 |
| 05611 | कामाख्या जं. | टूंडला जं. | 08.02.25, 22.02.25 | 5.30 |
| 05612 | टूंडला जं. | कामाख्या जं. | 10.02.25, 24.02.25 | 3.00 |
| 05811 | नाहरलागुन | टूंडला जं. | 08.02.25, 22.02.25 | 14.30 |
| 05812 | टूंडला जं. | नाहरलागुन | 10.02.25, 24.02.25 | 11.20 |
| 06001 | पुरैची थलाइवर डॉ. एम.जी.आर सेंट्रल, चेन्नई | गोमती नगर | 05.02.25, 19.02.25, 26.02.25 | 14.20 |
| 06002 | गोमती नगर | पुरैची थलाइवर डॉ. एम.जी.आर सेंट्रल, चेन्नई | 08.02.25, 22.02.25, 01.03.25 | 3.45 |
| 06003 | कन्याकुमारी | बनारस | 17.02.25 | 20.30 |
| 06004 | बनारस | कन्याकुमारी | 20.02.25 | 18.05 |
| 06007 | तिरुवनंतपुरम उत्तर | बनारस | 18.02.25 | 14.00 |
| 06007 | तिरुवनंतपुरम उत्तर | बनारस | 25.02.25 | 19.30 |
| 06008 | बनारस | तिरुवनंतपुरम उत्तर | 21.02.25, 28.02.25 | 18.05 |
| 06019 | मंगलुरु सेंट्रल | वाराणसी जं. | 15.02.25 | 4.15 |
| 06020 | वाराणसी जं. | मंगलुरु सेंट्रल | 04.02.25 | 18.20 |
| 06022 | गया जं. | तिरुवनंतपुरम उत्तर | 07.02.25 | 23.55 |
| 06062 | वाराणसी जं. | मंगलुरु सेंट्रल | 18.02.25 | 18.20 |
| 06071 | पुरैची थलाइवर डॉ. एम.जी.आर सेंट्रल, चेन्नई | गोमती नगर | 15.02.25, 01.03.25 | 14.20 |
| 06072 | गोमती नगर | पुरैची थलाइवर डॉ. एम.जी.आर सेंट्रल, चेन्नई | 18.02.25, 04.03.25 | 3.45 |
| 06207 | मैसूर जं. | दानापुर | 15.02.25, 01.03.25 | 5.10 |
| 06208 | दानापुर | मैसूर जं. | 18.02.25, 04.03.25 | 23.00 |

| ट्रेन नं. | स्टेशन | गंतव्य स्टेशन | प्रस्थान की तारीख | प्रस्थान समय |
|---|---|---|---|---|
| 07081 | गुंटूर जं. | आजमगढ़ | 14.02.25 | 23.00 |
| 07082 | आज़गमगढ़ | विजयवाड़ा जं. | 16.02.25 | 19.45 |
| 07083 | मछलीपट्टनम | आजमगढ़ | 05.02.25 | 22.00 |
| 07084 | आज़मगढ़ | मछलीपट्टनम | 07.02.25 | 19.45 |
| 07085 | काकीनाडा टाउन जंक्शन | आजमगढ़ | 20.02.25 | 20.10 |
| 07086 | आज़मगढ़ | विजयवाड़ा जं. | 22.02.25 | 19.45 |
| 07087 | मौला अली | बनारस | 17.02.25 | 23.55 |
| 07088 | बनारस | मौला अली | 19.02.25 | 19.15 |
| 07089 | मौला अली | गया जं. | 15.02.25 | 17.50 |
| 07090 | गया जं. | मौला अली | 17.02.25 | 19.45 |
| 07091 | विकारबाद जंक्शन | गया जं. | 18.02.25 | 15.45 |
| 07092 | गया जं. | विकारबाद जंक्शन | 20.02.25 | 19.45 |
| 07093 | विजयवाड़ा जं. | गया जं. | 05.02.25 | 19.20 |
| 07094 | गया जं. | विजयवाड़ा जं. | 08.02.25 | 19.45 |
| 07095 | काकीनाडा टाउन जंक्शन | गया जं. | 08.02.25 | 14.30 |
| 07096 | गया जं. | विजयवाड़ा जं. | 10.02.25 | 14.15 |
| 07099 | हजूर साहिब नांदेड़ | पटना जं. | 13.02.25 | 23.00 |
| 07100 | पटना जं. | हजूर साहिब नांदेड़ | 15.02.25 | 15.30 |
| 07101 | औरंगाबाद | पटना जं. | 19.02.25, 25.02.25 | 19.00 |
| 07102 | पटना जं. | औरंगाबाद | 27.02.25 | 15.30 |
| 07103 | काचीगुडा | पटना जं. | 22.02.25 | 16.45 |
| 07104 | पटना जं. | काचीगुडा | 24.02.25 | 11.30 |
| 07105 | सिकंदराबाद जं. | पटना जं. | 07.02.25 | 17.00 |
| 07106 | पटना जं. | सिकंदराबाद जं. | 09.02.25 | 15.30 |
| 07107 | तिरुपति | बनारस | 08.02.25, 15.02.25, 22.02.25 | 20.55 |
| 07107 | बनारस | विजयवाड़ जं. | 10.02.25, 17.02.25, 24.02.25 | 17.30 |
| 07109 | नरसापुर | बनारस | 02.02.25 | 6.00 |
| 07110 | बनारस | नरसापुर | 03.02.25 | 17.30 |
| 07707 | मौला अली | आज़मगढ़ | 21.02.25 | 23.55 |
| 07708 | आज़मगढ़ | मौला अली | 23.02.25 | 19.45 |
| 08253 | बिलासपुर जं. | वाराणसी जं. | 22.02.25 | 8.15 |
| 08254 | वाराणसी जं. | बिलासपुर जं. | 24.02.25 | 10.50 |
| 08313 | टूंडला जं. | टिटलागढ़ | 08.02.25, 22.02.25, 01.03.25 | 5.00 |
| 08314 | टिटलागढ़ | टूंडला जं. | 06.02.25, 20.02.25, 27.02.25 | 17.00 |
| 08418 | टूंडला जं. | पुरी | 19.02.25 | 3.00 |
| 08425 | भुवनेश्वर | टूंडला जं. | 05.02.25, 19.02.25, 26.02.25 | 12.30 |
| 08426 | टूंडला जं. | भुवनेश्वर | 07.02.25, 21.02.25, 28.02.25 | 3.00 |
| 08529 | पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. | विशाखापत्तनम | 08.02.25, 22.02.25, 01.03.25 | 20.10 |
| 08530 | विशाखापत्तनम | पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. | 06.02.25, 20.02.25, 27.02.25 | 17.35 |
| 08561 | गोरखपुर जं. | विशाखापत्तनम | 19.02.25 | 14.20 |
| 08562 | विशाखापत्तनम | गोरखपुर जं. | 16.02.25 | 22.20 |
| 08791 | दुर्ग | वाराणसी जं. | 16.02.25 | 13.50 |
| 08792 | वाराणसी जं. | दुर्ग | 10.02.25 | 10.50 |
| 09017 | वापी | गया जं. | 07.02.25, 14.02.25, 18.02.25, 22.02.25 | 8.20 |
| 09018 | गया जं. | वापी | 08.02.25, 15.02.25, 19.02.25, 23.02.25 | 22.00 |
| 09019 | वलसाड | दानापुर | 08.02.25, 15.02.25, 19.02.25, 26.02.25 | 8.40 |
| 09020 | दानापुर | वलसाड | 09.02.25, 16.02.25, 20.02.25, 27.02.25 | 23.30 |
| 09029 | विश्वामित्री (बड़ोदरा) | बलिया | 17.02.25 | 8.35 |
| 09030 | बलिया | विश्वामित्री (बड़ोदरा) | 18.02.25 | 23.30 |
| 09031 | उधना जं. (सूरत) | गाजीपुर शहर | 16.02.25 | 6.40 |
| 09032 | गाजीपुर शहर | उधना जं. (सूरत) | 18.02.25 | 0.30 |
| 09371 | डॉ. अम्बेडकर नगर | बलिया | 08.02.25, 22.02.25 | 13.45 |
| 09372 | बलिया | डॉ. अम्बेडकर नगर | 09.02.25, 23.02.25 | 23.45 |
| 09403 | अहमदाबाद जं. | जंघई जं. | 05.02.25, 14.02.25, 15.02.25, 18.02.25, 19.02.25, 26.02.25 | 21.15 |
| 09404 | जंघई जं. | अहमदाबाद जं. | 07.02.25, 16.02.25, 17.02.25, 20.02.25, 21.02.25, 28.02.25 | 8.30 |
| 09413 | साबरमती (अहमदाबाद) | बनारस | 05.02.25, 09.02.25, 14.02.25, 18.02.25 | 11.00 |
| 09414 | बनारस | साबरमती (अहमदाबाद) | 06.02.25, 10.02.25, 15.02.25, 19.02.25 | 19.30 |
| 09537 | राजकोट जं. | बनारस | 06.02.25, 15.02.25, 19.02.25 | 6.05 |
| 09538 | बनारस | राजकोट जं. | 07.02.25, 16.02.25, 20.02.25 | 19.30 |
| 09555 | भावनगर टर्मिनस | बनारस | 16.02.25, 20.02.25 | 5.00 |
| 09556 | बनारस | भावनगर टर्मिनस | 17.02.25, 21.02.25 | 19.30 |
| 09592 | बनारस | वेरावल | 24.02.25 | 19.30 |
| 09801 | सोगिरया (कोटा) | बनारस | 07.02.25, 14.02.25, 18.02.25, 21.02.25 | 8.15 |
| 09802 | बनारस | सोगिरया (कोटा) | 08.02.25, 15.02.25, 19.02.25, 22.02.25 | 14.45 |
| 03690 | प्रयागराज जं. | गया जं. | 07.02.25, 08.02.25, 09.02.25, 10.02.25, 15.02.25, 16.02.25, 17.02.25, 18.02.25, 20.02.25, 22.02.25, 23.02.25, 24.02.25, 25.02.25, 27.02.25, 28.02.25 | 11.00 |
| 03220 | प्रयागराज जं. | पटना जं. | 07.02.25, 08.02.25, 09.02.25, 10.02.25, 15.02.25, 16.02.25, 17.02.25, 18.02.25, 20.02.25, 22.02.25, 23.02.25, 24.02.25, 25.02.25, 27.02.25, 28.02.25 | 22.35 |

भारतीय रेल

www.indianrailways.gov.in

हमें फॉलो करें @RailMinIndia

# मातृत्व का अहसास खूबसूरत

खुबसूरत अहसास है मातृत्व। जैसे ही आपको पता चलता है कि आप मां बनने वाली हैं, उसी समय से गर्भस्थ शिशु के साथ एक रिश्ता बन जाता है। उसका विकास सही ढंग से हो, इसके लिए आप हर एहतियात बरतने की कोशिश करती हैं। इस लिहाज से खानपान पर ध्यान देना सबसे जरूरी हैं, क्योंकि आपके जरिए ही पोषण गर्भस्थ शिशु तक पहुंचता है। अगर आपका खानपान ठीक नहीं है तो यह और भी जरूरी हो जाता है कि आप संतुलित आहार के सेवन की आदत डालें। गर्भावस्था के दौरान आपका शरीर भोजन के जरिए प्राप्त होने वाली ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चत करता है। इस दौरान आपको अपना खानपान ऐसा रखना चाहिए कि शरीर को कुछ विशेष विटामिन्स और मिनरल्स जैसे फोलिक एसिड और आयरन इत्यादि और कुछ अधिक कैलोरी प्राप्त हो सके। इसके साथ ही कोशिश करनी चाहिए कि जंक फूड से दूर रहें। यदि किसी महिला का खानपान पहले से ही संतुलित पोषण वाला रहा है तो उसके शरीर में इन तत्वों का कुछ भंडार रहता है, जिससे गर्भस्थ शिशु की जरूरत पूरी हो सके। ऐसे में मां की सेहत को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

**भोजन की मात्रा :**

अक्सर लोग सलाह देते हैं कि गर्भावस्था के दौरान मां को दो लोगों की जरूरत के अनुसार भोजन ग्रहण करना चाहिए, जबकि हकीकत में एक सामान्य महिला को गर्भावस्था के पहले छह माह तक अतिरिक्त कैलोरी की आवश्यकता नहीं होती। इस दौरान भूख के अनुसार भोजन करना ही काफी रहता है।

**जरूरत के मुताबिक आहार :**

शरीर की बढ़ी हुई जरूरतों के अनुसार आपको संतुलित भोजन करना चाहिए। संतुलित आहार वह है जिसमें विभिन्न प्रकार का पोषण प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थ शामिल हों। उदाहरण के तौर पर ऊर्जा देने वाले पोषक तत्व (कार्बोहाइड्रेट्स),शरीर का निर्माण करने वाले तत्व (प्रोटीन) और सुरक्षा प्रदान करने वाले तत्व (मिनरल्स-विटामिन्स) इत्यादि की उचित मात्रा वाला आहार संतुलित आहार कहलाता है। शरीर की अवस्था के अनुसार भोजन में इन पोषक तत्वों को पर्याप्त मात्रा में शामिल करना चाहिए, क्योंकि गर्भावस्था, शरीर की बनावट या शारीरिक मेहनत के अनुसार इस जरूरत का निर्धारण होता है।

**ऊर्जा :**

आमतौर पर गर्भावस्था के अंतिम महीनों में शरीर को कुछ अधिक मात्रा में कैलोरी की जरूरत होती है (हालांकि यह बढ़ोत्तरी 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। आहार विशेषज्ञ भोजन में रोजाना 300 कैलोरी अधिक शामिल करने की सलाह देते हैं। इस जरूरत को आप हाई कैलोरी वाले खाद्य पदार्र्थो जैसे दूध, नट्स, सूखे मेवों, सोया उत्पादों के सेवन के जरिए पूरा कर सकती हैं।

**प्रोटीन :**

प्रोटीन की अतिरिक्त मात्रा गर्भस्थ शिशु के तेजी से विकास, गर्भनाल, स्तन ग्रंथियों व गर्भाशय के विस्तार, एमनियोटिक फ्लूइड के निर्माण व भंडारण, सहज प्रसव, मां के दूध के निमार्ण के लिए जरूरी है। मां के जरिए गर्भस्थ शिशु तक अमीनो एसिड पहुंचाने के लिए भी यह जरूरी है। गर्भावस्था के दौरान रोजाना आहार में 15 ग्राम प्रोटीन की अतिरिक्त मात्रा शामिल करने की सलाह दी जाती है। दूध, मांस, अंडा और चीज इत्यादि प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं।

**आयरन :**

गर्भावस्था के दौरान आहार में रोजाना आठ ग्राम आयरन की अतिरिक्त मात्रा यानी 38 ग्राम आयरन प्रतिदिन भोजन में शामिल करने की सलाह दी जाती है। आमतौर पर जन्म के समय शिशु के रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर 18-22 मिली. /डीएल (डेसीलीटर) रहता है। गर्भस्थ शिशु और गर्भनाल के विकास के लिए आयरन बहुत जरूरी है। रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने के लिए भी इसकी समुचित मात्रा प्राप्त होना आवश्यक है। हरी सब्जियां, अंडा, दालों और आयरन युक्त नमक इसका अच्छा स्रोत हैं।

**फोलिक एसिड :**

एक सामान्य महिला को रोजाना 100 मिलीग्राम फोलिक एसिड की जरूरत होती है, पर विशेषज्ञ गर्भावस्था के दौरान रोजाना 400 मिलीग्राम फोलिक एसिड प्राप्त करने की सलाह देते हैं। इसकी कमी से गर्भावस्था में मैक्रोसाइटिक एनीमिया व गर्भस्थ शिशु के मस्तिष्क व रीढ़ के विकास में दोष उत्पन्न हो सकता है। गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों जैसे पालक व सिट्रस फलों में यह अ%छी मात्रा में पाया जाता है।

**कैल्शियम :**

गर्भस्थ शिशु की हड्डियों व दांतों के विकास के लिए कैल्शियम की आवश्यकता होती है। गर्भावस्था की अंतिम तिमाही में इसकी करीब 25-30 ग्राम मात्रा गर्भस्थ शिशु तक पहुंचती है। दूध, दही, मट्ठा इत्यादि इसके अच्छे स्रोत हैं। इनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम के साथ ही विटामिन बी 12 भी पाया जाता है। अगर आपको दूध और उससे निर्मित उत्पादों से एलर्जी है तो इन तत्वों के सेवन के विषय में अपने चिकित्सक से परामर्श ले सकती हैं।

**विटामिन ए :**

आमतौर पर एक महिला को 2400 माइक्रोग्राम बी कैरोटिन की आवश्यकता होती है। गर्भावस्था के दौरान भी इसकी इतनी ही मात्रा ग्रहण करने की जरूरत होती है। अंडे की जर्दी, मक्खन, गहरे हरे और पीले रंग की सब्जियां और फल विटामिन ए के अच्छे स्रोत हैं।

**विटामिन डी :**

मां का शरीर कैल्शियम को भली प्रकार एब्जार्ब्व कर सके, इसके लिए विटामिन डी लेना बेहद जरूरी है। सूरज की किरणों से विटामिन डी मिलता है, जिसकी मदद से शरीर दूध, दालों इत्यादि से मिलने वाले कैल्शियम को भली प्रकार ग्रहण कर पाता है।

**सोडियम :**

किसी प्रकार के विकारों, डिसऑर्डर और कमी से बचने के लिए एक सामान्य महिला के शरीर में सोडियम की समुचित मात्रा पहुंचनी चाहिए। आहार में इसकी कमी से हार्मोन संबंधी बदलाव उत्पन्न हो सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान ऐसी दवाओं से बचना चाहिए, जिनसे बार बार-बार टॉयलेट जाने की आवश्यकता महसूस हो, क्योंकि इससे शरीर से जरूरी सोडियम भी निकल जाता है। अगर हाइपरटेंशन जैसी कोई समस्या है, तब सोडियम की मात्रा सीमित करने की सलाह दी जाती है।

**तरल पदार्थ :**

शरीर में पानी की कमी न होने दें। भरपूर मात्रा में पानी पीने के साथ ही ताजे फलों का रस ग्रहण करें। जब भी घर से बाहर जाएं तो पीने का पानी साथ ले जाएं, क्योंकि बहुत सी बीमारियां अशुद्ध पानी के कारण होती हैं।

**वसा :**

इस दौरान अपने कुकिंग ऑयल व वसा पर ध्यान देना भी जरूरी है। घी, मक्खन और नारियल तेल में सैचुरेटेड फैट्स काफी ज्यादा होते हैं, इसलिए इनके सेवन से बचना चाहिए। इनके अलावा वनस्पति घी में ट्रांस फैट्स की मात्रा अधिक होती है और यह भी सैचुरेटेड फैट के जितना ही नुकसानदेह होता है।

# सेहत पर न पड़े सर्दी का प्रकोप

इन दिनों उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की गिरफ्त में है। आमतौर पर सेहत के लिए अच्छा माना जाने वाला मौजूदा मौसम असावधानियां बरतने पर कई रोगों का कारण भी बन सकता है, लेकिन कुछ सजगताएं बरतने पर इस मौसम में होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से काफी हद तक बचाव किया जा सकता है। अगर दुर्भाग्यवश कुछ रोगों से ग्रस्त हो भी गए, तो उनका इलाज मौजूद है, लेकिन याद रखें, इलाज से बेहतर बचाव है..

प्रोस्टेट ग्रंथि का सामान्य आकार से बढ़ना या बिनाइन प्रोस्टेट हाइपरप्लेसिया (बीपीएच) के मामले अन्य ऋतुओं की तुलना में सर्दियों में कुछ ज्यादा बढ़ जाते हैं। इसका कारण यह है कि सर्दी का मौसम सिम्पैथेटिक न?र्व्स को उत्तेजित करता है। यह स्थिति प्रोस्टेट की मांसपेशियों में संकुचन को बढ़ा सकती है। इस कारण सर्दियों में बीपीएच की समस्या से संबंधित कुछ ज्यादा ही मामले सामने आते हैं।

**लक्षण**

- पतली धार में पेशाब होना।
- पेशाब करने के लिए अधिक जोर लगाना और बार-बार पेशाब करना।
- पेशाब के प्रवाह में बाधा।
- पेशाब करने के बाद भी ऐसा महसूस होना कि पूरा पेशाब नहीं निकला है।
- पेशाब को रोके रखने में असमर्थता।
- पेशाब में जलन और पेशाब के दौरान रक्त निकलना।

यदि किसी व्यक्ति में उपर्युक्त लक्षणों में से दो से अधिक लक्षण मौजूद हैं, तो उसे शीघ्र ही डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

**जांचें**

डिजिटल रेक्टल एग्जामिनेशन, प्रोस्टेट स्पेशिफिक एंटीजन (पीएसए) रक्त परीक्षण, गुदा का अल्ट्रासाउंड, पेशाब के प्रवाह की जांच और सिस्टोस्कोपी जांचों से इस रोग का पता चलता है।

**उपचार**

प्रोस्टेट का उपचार दवाओं या सर्जरी के द्वारा किया जा सकता है। हालांकि काफी रोगियों पर दवा काम नहीं कर सकती है। इसलिए सर्जरी अधिक बेहतर और कारगर प्रक्रिया साबित होती है।

**टीयूआरपी (ट्रांस यूरेथ्रल रिसेक्शन ऑफ प्रोस्टेट):** आज भी यह सर्जरी सबसे अधिक स्वीकार्य है। यह सस्ती और आसानी से उपलब्ध सर्जिकल प्रक्रिया है, लेकिन इस सर्जरी के बाद रोगी को कुछ असहजताएं भी बर्दाश्त करनी पड़ सकती हैं। जैसे रोगी को लंबे समय तक अस्पताल में रहना पड़ता है, कैथेराइजेशन का समय लंबा होता है, रिकवरी में अधिक समय लगता है और उसे रक्तस्राव और 'टीयूआरपी सिंड्रोम' नामक समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नवीनतम उपचार

**एचओएलईपी (होलमियम लेजर इनुक्लीएशन ऑफ प्रोस्टेट):** यह बढ़ी हुई प्रॉस्टेट ग्रंथि के इलाज की नवीनतम प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में एक होलमियम लेजर मशीन से जुड़े 550 माइक्रॉन लेजर फाइबर के इस्तेमाल से प्रोस्टेट ग्रंथि के बढ़े हुए 'लोब्स' या भाग को पूरी तरह से बाहर निकाला जाता है। बाहर निकाली हुई ग्रंथि को उसके बाद मूत्राशय (यूरीनरी ब्लैडर) में डाल दिया जाता है। इसके बाद एक मॉर्सीलेटर (एक मशीन) को दूरबीन के माध्यम से डाला जाता है, जो ग्रंथि को खींच लेता है। इस पूरी प्रक्रिया में 45 से 90 मिनट का समय लगता है, जो ग्रंथि के आकार पर निर्भर करती है। पूरी प्रक्रिया में व्यावहारिक रूप से रक्त की कोई हानि नहीं होती है और रोगी 24 से 36 घंटे के अंदर घर वापस चला जाता है।

# ऑफिस में कैसे रहें सेहतमंद

स्वस्थ एवं फिट रहने के लिए व्यस्त रहना बहुत ही जरूरी हैं अपनी दिनचर्या में बदलाव लाकर आप आसानी से व्यस्त भी रह सकेंगे और काम भी समय से पूरा कर सकेंगे। कैसे, आइए जानें।

ऑफिस में बैठने का काम हो तो बीच-बीच में टहलें। अपनी फाइलें, रजिस्टर आदि स्वयं ही उठाकर कर रखें या फिर लंच टाइम में अपने केबिन में ही टहल लें। किसी भी तरीके से 15-20 मिनट तो अवश्य ही चलें ताकि शरीर की कसरत हो जाए।

- घर पर ही ऐसा नाश्ता तैयार करके रख लें, जो सेहतमंद होने के साथ-साथ स्वादिष्ट भी हो। उसे पैक करके ऑफिस ले
- आएँ। आटे की नमकीन-मीठी मट्ठियाँ, भुना चिवड़ा, काले भुने चने आदि पदार्थ ज्यादा लेने की कोशिश करें।
- आप ऑफिस मीटिंग के लिए बाहर जाते हैं तो जब भी रेस्टोरेंट में लंच करना पड़ जाए तो सलाद, सूप आदि अधिक लें।
- तले-भुने व गरिष्ठ भोजन की बजाए ऐसे भोजन का आर्डर दें,जो आपके लिए नुकसानदेह न हो।
- गर्मी के मौसम में ठंड पेय लेते समय ध्यान रखें कि ये कैमिकल युक्त न हों। आप जूस, शरबत, शिकंजी अधिक मात्रा में ले सकते हैं।
- काम करते-करते थक जाएँ तो कुर्सी पर ही विश्रामदायक मुद्रा में बैठ जाएँ। आँख बंद कर लें। ऐसा 10 मिनट तक करें।

# पानी पिएँ, खूब जिएँ

एक सामान्य व्यक्ति को पूरे दिन में औसतन 10 गिलास पानी पीना चाहिए। इससे शरीर में पानी की उचित मात्रा बनी रहती है। कम पानी पीने से डिहाइड्रेशन का खतरा बना रहता है।

पानी भरपूर पीने से गुर्दे भी ठीक से काम करते हैं यानी गुर्दे ठीक काम करें, इसके लिए पानी भरपूर पीना बहुत जरूरी है। इससे मूत्र भी ज्यादा आता है और मूत्र के द्वारा शरीर के अपशिष्ट पदार्थ भी बाहर निकल जाते हैं।

आपके मूत्र का रंग पीला है तो समझ लीजिए कि आपके शरीर में पानी की मात्रा कम है। यदि आप बी कॉम्प्लेक्स के कैप्सूल लेते हैं और पानी भी भरपूर पीते हैं, ऐसे में आपके मूत्र का रंग पीला हो तो चिंता न करें। बी कॉम्प्लेक्स लेते समय ऐसा होता है।

आप कोई अन्य दवा का सेवन कर रहे हों तो भी मूत्र का रंग बदल जाता है, इसमें चिंता न करें। शरीर में गरमी बढ़ जाने पर भी मूत्र पीला आ सकता है, बस पानी भरपूर पिएँ। शरीर में लगातार मेटाबोलिक क्रियाएँ चलती रहती हैं, जिसके लिए पानी की लगातार जरूरत होती है। इन्हीं क्रियाओं के फलस्वरूप हमें एनर्जी मिलती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

epaper.dehatsandesh.com

**5** मंधाना को आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेटर आफ द ईयर का खिताब

**7** मुझे लगता है कि हम ग्रीनलैंड को हासिल कर लेंगे : डोनाल्ड ट्रप

**8** नियंत्रण रेखा के पास बड़े पैमाने पर चलाया गया तलाशी अभियान

न्यूनतम 10 मौसम जम्मू अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

# देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-28 | जम्मू तवी, बुधवार 29 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

## सीतारमण एक फरवरी को पेश करेंगी बजट, 31 जनवरी से शुरू होगा बजट सत्र

**नई दिल्ली, 28 जनवरी।** संसद के बजट सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण से होगी। इसके अगले दिन एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी।

संसद के बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी को शुरू होकर 13 फरवरी को समाप्त होगा। बजट सत्र का दूसरा चरण 10 मार्च को शुरू होगा, जो 4 अप्रैल तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बजट सत्र के पहले दिन 31 जनवरी को सुबह 11 बजे संसद भवन स्थित लोकसभा कक्ष में संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगी। संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा की संक्षिप्त बैठक होगी। इसके बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दोनों सदनों में आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेंगी। संसदीय अधिसूचना के मुताबिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2025-26 पेश करेंगी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा 3-4 फरवरी को होगी, जबकि राज्यसभा ने बहस के लिए तीन दिन निर्धारित किए गए हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि सरकार ने 30 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उन्होंने आगामी सत्र के दौरान सदन में सुचारू चर्चा करने के लिए विपक्षी नेताओं से सहयोग की अपील की है।

## मौनी अमावस्या के पूर्व संगम में उमड़ा जन सैलाब, 4.83 करोड़ ने लगाई आस्था की डुबकी

**महाकुम्भ नगर, 28 जनवरी।** महाकुम्भ के महा अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या के एक दिन पूर्व से ही संगम की त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। जिधर भी नजर जा रही है उधर श्रद्धालु ही दिखाई पड़ रहे हैं। कंधे पर झोला और सिर पर गृहस्थी की गठरी लिए श्रद्धालुओं का जो रेला मंगलवार सुबह जारी हुआ वह थमने का नाम नहीं ले रहा है। श्रद्धालुओं के जत्थे 'गंगा मैया की जय' और 'हर-हर महादेव' के उद्घोष के साथ संगम की ओर बढ़ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम 8 बजे तक 4.83 करोड़ श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। स्नान का शुभ मुर्हूत शुरू हो चुका है मेला प्रशासन द्वारा पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लगातार प्रसारित किया जा रहा है कि शाम 7.30 बजे से स्नान का शुभ मुर्हूत शुरू हो गया है। श्रद्धालुओं का अपार समूह यात्रा की थकावट और परेशानियों को भुलाकर आस्था की डुबकी लगाने के लिये उत्साह से त्रिवेणी की ओर बढ़ रहा है। मौनी अमावस्या के दिन सुबह 13 अखाड़े अमृत स्नान करेंगे। मौनी अमावस्या पर सबसे पहले श्रीपंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी व श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़ा स्नान करेगा। दूसरे स्थान पर श्रीतपोनिधि पंचायती श्रीनिरंजनी अखाड़ा एवं श्रीपंचायती अखाड़ा आनंद अमृत स्नान करेगा। तीन संन्यासी अखाड़े श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा एवं श्रीपंच दशनाम आवाहन अखाड़ा तथा श्रीपंचाग्नि अखाड़ा स्नान करेगा। तीन बैरागी अखाड़ों में सबसे पहले अखिल भारतीय श्रीपंच निर्वाणी अनी अखाड़ा अमृत स्नान करेगा।

## एनआईए ने घाटी में 6 स्थानों पर ली तलाशी, आपत्तिजनक सामग्री जब्त

**श्रीनगर, 28 जनवरी** । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को गैर-स्थानीय लोगों की हत्या के मामले में कश्मीर के तीन जिलों में छह स्थानों पर व्यापक तलाशी ली। एनआईए की टीमों ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और उसकी शाखा द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से सहानुभूति रखने वालों, कैडरों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) से संबंधित आवासीय परिसरों से कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है।

एनआईए ने कहा कि यह मामला अमृतसर (पंजाब) के चमायरी निवासी दो नागरिकों की हत्या से संबंधित है, जिन पर आतंकवादियों ने 7 फरवरी, 2024 की शाम को शहीद गंज इलाके के शल्ला कदल में गोलीबारी की थी। इस आतंकी हमले में अमृतपाल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि रोहित मासी गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसने अगले दिन श्रीनगर के एक अस्पताल में दम तोड़

दिया।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि गृह मंत्रालय के निर्देश पर 15 जून, 2024 को एनआईए ने यह मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। इसी मामले में श्रीनगर, बडगाम और सोपोर जिलों में छह स्थानों पर आज तलाशी ली गई।

एनआईए ने इस मामले में पहले ही चार आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। एनआईए की टीमों ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और उसकी शाखा द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से सहानुभूति रखने वालों, कैडरों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) से संबंधित आवासीय परिसरों से कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। उन्होंने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों को पनाह देने, शरण देने और साजो-सामान संबंधी सहायता मुहैया कराने में शामिल थे।

इस मामले में एनआईए की अब तक की जांच से पता चला है कि लश्कर और टीआरएफ के मास्टरमाइंड भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश के तहत गैर-स्थानीय लोगों पर हमले करने के लिए कश्मीर घाटी में युवाओं के संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि कथित तौर पर एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया एप्लिकेशन का उपयोग करके आपराधिक साजिश की योजना भौतिक और साइबरस्पेस दोनों के माध्यम से बनाई गई थी। बयान में कहा गया है कि एनआईए तलाशी के दौरान जब्त की गई सामग्रियों की जांच कर रही है।

## रियासी पुलिस द्वारा दो तस्करों से 7.45 ग्राम हेरोइन बरामद

**रियासी, 28 जनवरी।** जिला पुलिस रियासी द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान एसएचओ कटरा के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन कटरा की पुलिस टीम ने सरप्राइज नाका लगाया और कटरा के सेरली हेलीपैड के पास दो व्यक्तियों को पकड़ा जो स्विफ्ट डिजायर कार में पंथाल क्षेत्र से कटरा की ओर आ रहे थे।

तलाशी के दौरान दीपक मसीह पुत्र सैमुअल मसीह निवासी सिधवानी, गुरदासपुर, पंजाब के कब्जे से 5.30 ग्राम हेरोइन और रवि कुमार पुत्र करतार सिंह निवासी गांव कदमल कटरा के कब्जे से 2.15 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस पर पुलिस स्टेशन कटरा में एफआईआर संख्या 23/2025 यू/एस 8/21/22/25/29 एनडीपीएस एक्ट दर्ज किया गया और मामले की जांच जारी है। एक अन्य घटना में एसएचओ कटरा के नेतृत्व में पीएस कटरा की पुलिस पार्टी ने हेलीपैड रोड अरली, कटरामें नाका ड्यूटी करते समय एक व्यक्ति विशाल कुमार पुत्र प्रेम चंद निवासी थाथी, उधमपुर को पकड़ा जो अरली हेलीपैड रोड से कटरा शहर की ओर पैदल जा रहा था और उसके बैग की तलाशी के दौरान उसके कब्जे से ट्रामाडोल के 2550 कैप्सूल बरामद किये। इस संबंध में पुलिस स्टेशन कटरा में एफआईआर दर्ज किया गया है और मामले जांच जारी है।

## पुलिस ने नाबालिग लड़के की जघन्य हत्या का मामला सुलझाया, तीन आरोपी गिरफ्तार

**जम्मू, 28 जनवरी।** त्वरित जांच कौशल का परिचय देते हुए जम्मू पुलिस ने बिश्नाह क्षेत्र में हत्या के मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है जिसके परिणामस्वरूप इस जघन्य अपराध में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

13 जनवरी 2025 को रात 11:55 बजे बिश्नाह पुलिस स्टेशन में सूचना मिली कि एक अज्ञात व्यक्ति की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी गई है और शव बिश्नाह के भटयारी रोड पर पड़ा है। बाद में मृतक की पहचान अजय कुमार नाबालिग लड़का, उम्र 17 वर्ष पुत्र रोमेश लाल निवासी भटयारी, बिश्नाह के रूप में हुई। मृतक पेशे से मेटाडोर का कंडक्टर था। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टेशन बिश्नाह में एफआईआर संख्या 04/2025 यू/एस 103/190/191(2)/191(3)बीएनएस और 4/25 आर्म्स एक्ट' दर्ज किया गया और गहन जांच शुरू की गई।

एसडीपीओ आरएस पुरा और एसपी मुख्यालय जम्मू की कड़ी निगरानी में एसएचओ बिश्नाह इंस्पेक्टर सुशील चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल ने संदिग्धों का पता लगाने के लिए तकनीकी विश्लेषण और मानव खुफिया जानकारी के माध्यम से सावधानीपूर्वक काम किया। उनके लगातार प्रयासों से कुछ संदिग्धों की पहचान हुई और पुलिस दलों ने अपराधियों को पकड़ने के लिए जम्मू और आस-पास के जिलों में विभिन्न स्थानों पर छापे मारे और अंततः अनमोल शर्मा आयु 24 वर्ष पुत्र गणेश दास निवासी जाख सांबा, निखिल शर्मा आयु 29 वर्ष पुत्र बावा दित्ता शर्मा निवासी जाख, सांबा, निशांत चौधरी आयु 23 वर्ष पुत्र पुरुषोत्तम पाल निवासी विजयपुर सांबा को गिरफतार कर लिया।

## कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए नवीनतम तकनीक अपनाएं : जावेद डार

**जम्मू 28 जनवरी** । कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सहकारिता और चुनाव विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने कहा कि नवीनतम तकनीकों को अपनाकर उपलब्ध कृषि भूमि का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। जम्मू में गुलिस्तान न्यूज कॉन्क्लेव कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री ने कृषि के आधुनिकीकरण और घटती हुई भूमि जोत से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के महत्व पर जोर दिया। मंत्री ने रेखांकित किया कि सीमित भूमि संसाधनों के बावजूद सरकार आधुनिक तकनीकों को एकीकृत करके और इस क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने पिछले तीन महीनों में सुधारों को आगे बढ़ाने में विश्वविद्यालयों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला जिससे क्षेत्र में कृषि की समृद्धि में योगदान मिला। मंत्री ने किसानों से कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सर्वोत्तम उत्पादन के लिए सभी नवीनतम और आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने शहरीकरण से उत्पन्न चुनौतियों को स्वीकार किया क्योंकि बहुत से लोग अपने बच्चों के लिए बेहतर सुविधाओं और अनुभव के लिए शहरों में जाने की इच्छा रखते हैं। हालांकि उन्होंने आष्वासन दिया कि समग्र कृषि विकास कार्यक्रम सहित सभी केंद्रीय और केंद्र शासित प्रदेश स्तर की योजनाएं कृषि क्षेत्र में क्रांति लाने और ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका बढ़ाने के लिए लागू की जा रही हैं। इस बीच मंत्री ने नागरिकों से प्रशासन में अपना भरोसा बनाए रखने का आग्रह किया और जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने जनता को आष्वस्त किया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार अपने वादों को पूरा करने के लिए समर्पित है। सरकार ग्रामीण आजीविका और कृषि विकास में सुधार के लिए अपने प्रयास जारी रखेगी ।

## उपराज्यपाल ने गुलिस्तान न्यूज नेटवर्क द्वारा 'महाराजा हरि सिंह शांति एवं सद्भाव पुरस्कार' प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया

**जम्मू 28 जनवरी।** उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने जम्मू में गुलिस्तान न्यूज नेटवर्क द्वारा आयोजित 'महाराजा हरि सिंह शांति और सद्भाव पुरस्कार' के विजेताओं को सम्मानित किया।

उपराज्यपाल ने पंडित प्रेम नाथ डोगरा, पंडित गिरधारी लाल डोगरा और श्री देवेन्द्र सिंह राणा को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें उनके नेतृत्व गुणों और दृढ़ता तथा लोगों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करने के लिए मरणोपरांत इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने महाराजा हरि सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके द्वारा शुरू किए गए क्रांतिकारी सुधारों पर बात की, जिसने समाज और जम्मू-कश्मीर के विकास पर गहरा प्रभाव डाला।

उपराज्यपाल ने कहा, महाराजा हरि सिंह जी आधुनिक जम्मू कश्मीर के प्रमुख वास्तुकार थे। उन्होंने

इतिहास के एक महत्वपूर्ण दौर में इसके भाग्य को आकार देने में भी प्रमुख भूमिका निभाई और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार किया। उपराज्यपाल ने कहा कि महाराजा हरि सिंह जी गरीबों और वंचितों के प्रति अपनी चिंता में अडिग थे और उन्होंने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और हाशिए पर पड़े लोगों के उत्थान के लिए काम किया। उनका पूरा जीवन समाज की बेहतरी के लिए साहस और दृढ़ विष्वास की एक महान गाथा थी। उपराज्यपाल ने आगे कहा कि यह सुनिश्चित करना सरकार के शीर्ष पर बैठे लोगों की जिम्मेदारी है कि विकसित भारत में विभिन्न वर्गों और वर्गों की भागीदारी हो। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित महाराजा हरि सिंह पुरस्कार शांति, समावेशी विकास, विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों और समुदायों के बीच एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए किए गए कार्यों की मान्यता है। उन्होंने कहा, 卐भारत जैसे-जैसे तेजी से आर्थिक विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, साहित्य, सामाजिक सेवाओं, खेल, शिक्षा और व्यवसाय में आपका काम हमारे समाज के ताने-बाने को मजबूत करता है।

## गुलमर्ग में अंतर-विश्वविद्यालय शीतकालीन खेल 30-31 जनवरी को, देश भर के 200 एथलीट भाग लेंगे

**श्रीनगर, 28 जनवरी** । विश्वविद्यालय गुलमर्ग के प्रसिद्ध स्की-रिजॉर्ट में 30-31 जनवरी को दो दिवसीय अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय शीतकालीन खेलों का आयोजन किया जायेगा, जिसमें देश भर के 200 एथलीट भाग लेंगे।

कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूके) के कुलपति ए रविंदर नाथ ने मंगलवार को श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस आयोजन में पुरुष और महिला दोनों एथलीटों के लिए स्कीइंग और आइस स्टॉक प्रतियोगिताएं होंगी।

कुलपति ने कहा कि आइस-स्टॉक इवेंट पुरुष और महिला एथलीटों के लिए दोनों दिन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित आयोजन का प्राथमिक लक्ष्य खेल कौशल को बढ़ावा देना, विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच शीतकालीन खेलों में भागीदारी बढ़ाना और भारत में शीतकालीन खेलों के लिए गुलमर्ग को एक प्रमुख गंतव्य के रूप में मान्यता देना है

## ड्रग्स ने हमारे देश को बर्बाद कर दिया है: फारूक अब्दुल्ला

**श्रीनगर, 28 जनवरी।** नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के अधिकारों और पहचान की रक्षा के लिए बनाए गए उपाय के रूप में अनुच्छेद 370 को महत्वपूर्ण बताया।

श्रद्धेय हजरतबल दरगाह में प्रार्थना करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. अब्दुल्ला ने कहा कि बाहरी प्रभाव की चिंताओं के बीच स्थानीय नौकरियों की सुरक्षा और जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लोगों के अधिकारों को संरक्षित करने के लिए अनुच्छेद 370 पेश किया गया था। डॉ. अब्दुल्ला ने क्षेत्र में बढ़ती नशीली दवाओं की लत को भी संबोधित किया और इसे एक गंभीर खतरा बताया जिसने कश्मीरी समाज को तबाह कर दिया है। उन्होंने इस मुद्दे के बढ़ते प्रभाव के बारे में गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ड्रग्स ने हमारे देश को बर्बाद कर दिया है।

उन्होंने सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान किया और कश्मीरियों से आग्रह किया कि वे अपने भीतर देखें और केवल बाहरी ताकतों को दोष देने के बजाय खुद ही समस्या का समाधान करें। उन्होंने नशीली दवाओं की तस्करी को रोकने के लिए स्थानीय पुलिस के प्रयासों की प्रशंसा की लेकिन अधिक एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक हम कश्मीरी इस बुराई के खिलाफ़ खड़े नहीं होंगे, हम इस पर विजय नहीं पा सकेंगे। उन्होंने समुदाय को नशे की लत से लड़ने और अपने भविष्य को पुनः प्राप्त करने के लिए निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. अब्दुल्ला ने अल्लाह में अपनी आस्था की पुष्टि करते हुए क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों पर काबू पाने के लिए धैर्य, एकता और शक्ति का आग्रह किया।

## अनंतनाग में पीलिया के प्रकोप की जांच के लिए 5 सदस्यीय टीम गठित

**श्रीनगर, 28 जनवरी।** गोटलीगुंड गांव में 27 व्यक्तियों जिनमें अधिकतर बच्चे हैं के पीलिया से पीड़ित पाए जाने के बाद सरकारी मेडिकल कॉलेज अनंतनाग ने पांच सदस्यीय जांच टीम गठित की है।

एक आदेश के अनुसार जांच संभावित स्रोत निवारक और नियंत्रण उपायों पर गौर करेगी। टीम को इस महीने के अंत तक गांव का दौरा करने और प्रिंसिपल जीएमसी अनंतनाग को कार्य योजना सौंपने का निर्देश दिया गया है। प्रभावित लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल हस्तक्षेप प्रदान करने का भी निर्देश दिया गया है।

## समयबद्ध तरीके से सभी प्रकार के आवंटियों के पक्ष में सभी निष्क्रांत संपत्तियों को नियमित करें : अंकुर शर्मा

**जम्मू तवी, 28 जनवरी।** समयबद्ध तरीके से सभी प्रकार के आवंटियों के पक्ष में सभी 2,56,846 निष्क्रांत संपत्तियों को नियमित करें कस्टोडियन जनरल के शासन को वापस लें और स्थानीय आवंटियों को भी निष्क्रांत संपत्ति का मालिकाना अधिकार प्रदान करें। यह बातें बीजेपी प्रवक्ता अंकुर शर्मा ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने 1947, 1965, 1971 के विस्थापितों और पश्चिम पाकिस्तानी शरणार्थियों के पक्ष में विस्थापित भूमि (अभिरक्षक) के मालिकाना अधिकार प्रदान करने के एलजी सरकार के दिनांक 16.08.2024 के फैसले का स्वागत करते हुए स्थानीय लोगों के पक्ष में मालिकाना अधिकार देने के लिए जोरदार अपील की। ग्रामीण और शहरी दोनों ही निष्क्रांत भूमियों का आवंटन, चाहे वह कृषि, आवासीय, वाणिज्यिक, मिश्रित या कोई भी हो, इसे पूरा करना उमर के नेतृत्व वाली केंद्र शासित प्रदेश सरकार की बड़ी जिम्मेदारी बताया। डीपी और डब्ल्यूपी शरणार्थियों के पक्ष में मालिकाना अधिकार प्रदान करना पहला कदम था। स्थानीय आवंटियों को शामिल करने का अनुवर्ती और दूसरा कदम उमर सरकार को बिना किसी देरी के उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कदम किसानों, मध्यम वर्ग, समाज के हाशिए पर रहने वाले और वंचित वर्गों को सशक्त बनाएगा। स्थानीय आवंटी बड़े पैमाने पर जम्मू प्रांत के स्थानीय डोगरा हैं जिन्हें कृषि सुधार अधिनियम की दूसरी अनुसूची के साथ पढ़े गए कैबिनेट आदेश 578-सी, सरकारी आदेश एलबी-7 और 1971 के सरकारी आदेश रेह 371 के तहत निष्क्रांत भूमि का आवंटन या कब्जा दिया गया है। उन्होंने विस्थापित व्यक्तियों और पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थियों के पक्ष में दिनांक 16.08.2024 के आदेश को समयबद्ध तरीके से लागू करने की भी मांग की।

## जम्मू में वैष्णो देवी जा रही बस और ट्रक की टक्कर में 13 घायल

**जम्मू तवी, 28 जनवरी।** माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस मंगलवार को एक खड़े डंपर ट्रक से टकरा गई जिसमें कम से कम 13 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि तीन बच्चों और दो महिलाओं समेत सभी घायलों की हालत स्थिर बताई गई है। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नगरोटा में उस समय हुई जब बस के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

## पुलिस ने एक अंतर-राज्यीय ड्रग तस्करी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

**श्रीनगर, 28 जनवरी** । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दिल्ली और उत्तर प्रदेश से दो सरगनाओं को गिरफ्तार करके एक अंतर-राज्यीय ड्रग तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस ने मंगलवार को कहा कि उसने एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक मामले की जांच करते हुए एक बड़े अंतर-राज्यीय ड्रग तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। बैंक लेनदेन और संचार रिकॉर्ड सहित जांच से प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर उत्तर प्रदेश के बरेली से दो प्रमुख ड्रग सप्लायर राजू गुप्ता और दिल्ली के भजनपुरा से मोहम्मद अबरार की पहचान कश्मीर घाटी में स्थानीय ड्रग पेडलर्स को आपूर्ति किए जाने वाले नशीले पदार्थों के प्रमुख स्रोतों के रूप में की गई।

श्रीनगर पुलिस की एक टीम ने स्थानीय पुलिस की सहायता से उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 10 दिनों तक व्यापक अभियान चलाया जिसके दौरान राजू गुप्ता को 23 जनवरी, 2025 को बरेली से और मोहम्मद अबरार को 24 जनवरी, 2025 को भजनपुरा से गिरफ्तार किया गया।

दोनों संदिग्धों को संबंधित अदालतों में पेश किया गया तथा ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किया गया और अब वे पुलिस हिरासत में हैं। इसके अलावा लोनी, गाजियाबाद में आरोपी से जुड़े एक संदिग्ध कूरियर पार्सल की पहचान की गई है और अदालत की मंजूरी से इसे वापस लेने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। एनडीपीएस अधिनियम के तहत संभावित कुर्की के लिए आरोपी के वित्तीय लेनदेन और संपत्तियों की जांच की जा रही है।

# संपादकीय

## क्या कूड़ा बीनने वाले लोग अपना काम कृतघ्नता से कर रहे हैं?

कचरा बीनने वाले समुदाय द्वारा रीसाइक्लिंग, कचरे को कम करने और संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद, इन बदकिस्मत लोगों द्वारा किए गए काम अक्सर किसी की नजर में नहीं आते और किसी भी सरकारी एजेंसी या यहां तक कि किसी निजी संस्था द्वारा उन्हें कोई अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी नहीं दी जाती। कई महानगरों की तरह, जम्मू और उसके आस-पास के इलाकों में भी बड़ी संख्या में कचरा बीनने वाले हैं, जैसा कि दिन के शुरुआती घंटों या देर शाम को बड़े-बड़े कूड़ा डंपिंग स्थलों पर देखा जा सकता है। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि गंभीर समस्याओं का सामना करने के बावजूद कचरा बीनने वाले लोग कूड़े के ढेर से पुन- प्रयोज्य सामग्री निकालकर पर्यावरण के बोझ को कम करने में मदद करते हैं। समय आ गया है कि इन व्यक्तियों द्वारा किए गए योगदान को, जिनमें से कई कम उम्र के हैं, पर्याप्त मान्यता के साथ-साथ पर्याप्त समर्थन भी मिलना चाहिए क्योंकि समाज इस कमजोर समुदाय का बहुत ऋणी है जो बिना किसी उचित प्रतिफल के अपना काम कर रहे हैं। पश्चिमी दुनिया में, रीसाइक्लिंग को आधुनिक जीवन का एक अनिवार्य घटक माना जा रहा है और समतावादी समाज ऐसे काम करने वालों को उचित मान्यता देता है, लेकिन पूर्वी समाज में, खासकर भारत जैसे विकासशील देशों में, इस तरह की रीसाइक्लिंग हाशिए पर पड़े लोगों की एक बड़ी संख्या के लिए एक विकल्प नहीं है, बल्कि यह जीवन की एक आवश्यकता है। आम तौर पर, रोजगार पाने में विफल होने के बाद प्रवासी आबादी अंततः समाज के हाशिए पर रहने वाले लोगों के लिए एक छोटा सा जीवन यापन करने के लिए कूड़ा बीनने का काम करती है। जो लोग समाज में रहते हुए अपनी आँखें खुली रखते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि ऐसे परिवार हैं जो कूड़े के ढेरों से कूड़ा बीनकर अपना जीवन यापन करते हैं और कबाड़ बेचने वालों को बेचते हैं, जो फिर कचरे को प्रोसेस करके या तो रीसाइक्लिंग के लिए या सीधे उद्योग में इस्तेमाल के लिए बेच देते हैं। कूड़ा बीनना एक बेकार काम होने के अलावा संभवतः सबसे खतरनाक और अमानवीय कामों में से एक है। कूड़ा बीनने वाले खास तौर पर बच्चे गंदे वातावरण में काम करते हैं, जहाँ उनके आस-पास कुत्ते जैसे आवारा जानवर होते हैं और उन्हें दस्ताने या जूते जैसे सुरक्षा उपकरणों के बिना खतरनाक कचरे को ढूँढना पड़ता है। आधुनिक समाज के इन कमजोर सदस्यों को कूड़ेदानों या डंपिंग ग्राउंड में मिले गंदे भोजन के बचे हुए हिस्से को खाना पड़ता है, जो उनके जीवन को और दयनीय बना देता है क्योंकि उनके पास जीवित रहने के सीमित विकल्प होते हैं। बच्चों को अस्पताल के कचरे के साथ-साथ रसायनों के भंडारण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तनों सहित खतरनाक कचरे के मिलने का खतरा रहता है, जिससे वे बीमारियों और अन्य जटिलताओं के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। सरकार को इस पेशे को संगठित क्षेत्र में लाने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने चाहिए या कम से कम इन दुर्भाग्यपूर्ण लोगों को बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करनी चाहिए, जो समाज के लिए एक महान सेवा कर रहे हैं, जबकि वे हाशिये पर रहते हैं और केवल जीवित रहने के लिए कमाते हैं। जिन पहलुओं को ध्यान में रखना आवश्यक है उनमें औपचारिक अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम बनाना, इन व्यक्तियों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना और सुरक्षित कार्य स्थिति सुनिश्चित करना शामिल है।

# गांवों की दशा और दिशा बदल रही स्वामित्व योजना

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

देश में ग्रामीण भूमि सर्वेक्षण और बंदोबस्त की समस्या प्रमुख रही है। कई राज्यों में गांवों के आबादी क्षेत्रों के नक्शे और दस्तावेजीकरण का अभाव रहा है। आधिकारिक रिकॉर्ड की अनुपस्थिति के कारण इन क्षेत्रों में संपत्ति के मालिक अपने घरों को अपग्रेड करने या अपनी संपत्ति को ऋण और अन्य वित्तीय सहायता के लिए वित्तीय संपत्ति के रूप में उपयोग करने में असमर्थ रहे हैं, जिससे उनके लिए संस्थागत ऋण प्राप्त करना मुश्किल रहा। इस तरह के दस्तावेजीकरण की कमी ने 70 से अधिक वर्षों तक ग्रामीण भारत के आर्थिक विकास में बाधा डाली। यह स्पष्ट हो गया कि आर्थिक सशक्तीकरण के लिए कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त संपत्ति रिकॉर्ड के महत्व के आलोक में एक समकालीन समाधान की आवश्यकता थी। गांवों के आबादी क्षेत्रों के सर्वेक्षण और मानचित्रण के लिए अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक का उपयोग करने के लिए पीएम स्वामित्व योजना विकसित की गई है। इस योजना ने जल्द ही खुद को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित कर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों लाखों स्वामित्व दस्तावेज भू-मालिकों को सौंपे हैं।

पंचायतीराज मंत्रालय की एक केंद्रीय क्षेत्र की पहल को स्वामित्व (ग्रामीण क्षेत्रों में सुधारित प्रौद्योगिकी के साथ गांवों का सर्वेक्षण और मानचित्रण) कहा जाता है। इसे नौ राज्यों में कार्यक्रम के पायलट चरण (2020-2021) के सफल समापन के बाद 24 अप्रैल, 2021 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर देश भर में पेश किया गया था। यह कार्यक्रम भूमि के टुकड़ों का मानचित्रण करने और गाँव के घरेलू मालिकों को फ्रअधिकारों का रिकॉर्डफ्र प्रदान करने के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग करता है। कानूनी स्वामित्व कार्ड, जिन्हें संपत्ति कार्ड या शीर्षक विलेख के रूप में भी जाना जाता है, तब संपत्ति के मालिकों को जारी किए जाते हैं, जो ग्रामीण आबादी वाले (आबादी) क्षेत्रों में संपत्ति के स्पष्ट स्वामित्व की स्थापना की दिशा में एक सुधारात्मक क़दम है।

सर्वे ऑफ इंडिया और सम्बंधित राज्य सरकारों के बीच एक समझौता ज्ञापन स्वामित्व योजना को लागू करने के लिए रूपरेखा द्वारा प्रदान की गई बहुचरणीय संपत्ति कार्ड निर्माण प्रक्रिया में पहला कदम है। सभी पैमानों पर राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डेटाबेस तैयार करने के लिए, विभिन्न पैमानों पर स्थलाकृतिक मानचित्रण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है, जैसे उपग्रह इमेजरी, मानव रहित हवाई वाहन या ड्रोन प्लेटफॉर्म और हवाई फोटोग्राफी ड्रोन। समझौता ज्ञापन के पूरा होने के बाद, एक सतत संचालन संदर्भ प्रणाली स्थापित की जाती है। एक आभासी बेस स्टेशन जो लंबी दूरी की, अत्यधिक सटीक नेटवर्क आरटीके (रियल-टाइम किनेमेटिक) सुधार प्रदान करता है, संदर्भ स्टेशनों के इस नेटवर्क द्वारा प्रदान किया जाता है। अगला चरण यह निर्धारित करना है कि किन गांवों का सर्वेक्षण किया जाएगा और जनता को संपत्ति मानचित्रण प्रक्रिया के बारे में सूचित करना है। प्रत्येक ग्रामीण संपत्ति को चूना पत्थर (चुन्ना) से चिह्नित किया जाता है, जो गांव के आबादी क्षेत्र (आबाद क्षेत्र) को चित्रित करता है यह जांच / आपत्ति प्रक्रिया का समापन है, जिसे संघर्ष / विवाद समाधान के रूप में भी जाना जाता है। फिर सम्पत्ति पत्रक या अंतिम संपत्ति कार्ड / शीर्षक विलेख तैयार किए जाते हैं। आप इन कार्डों को खरीद सकते हैं।

इस कार्यक्रम के लाभों में एक समावेशी समाज शामिल है। गांवों में कमजोर आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति संपत्ति के अधिकारों तक उनकी पहुँच के साथ सकारात्मक रूप से सहसम्बद्ध है। स्वामित्व योजना इसे संभव बनाने का प्रयास करती है। आबादी की स्पष्ट रूप से परिभाषित सीमा की कमी के कारण भूमि-संघर्ष के मामलों की संख्या बहुत अधिक है। स्थानीय स्तर पर संघर्षों के अंतर्निहित कारणों को सम्बोधित करना स्वामित्व योजना का लक्ष्य है। बेहतर ग्राम पंचायत विकास योजनाएं जो उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले डिजिटल मानचित्रों का उपयोग करती हैं, सड़कों, स्कूलों, सामुदायिक स्वास्थ्य सुविधाओं, नदियों, स्ट्रीटलाइट्स और अन्य बुनियादी ढाँचे में सुधार लाती हैं। अधिक सुलभ संसाधनों और प्रभावी वित्तीय प्रबंधन के माध्यम से। लोगों को अपनी संपत्ति को संपार्श्विक के रूप में मुद्रीकृत करने में मदद करना मुख्य लक्ष्य है। इसके अतिरिक्त, जिन राज्यों में संपत्ति कर लगाया जाता है, वहाँ इसे सरल बनाने से निवेश को बढ़ावा मिलता है और व्यापार करना आसान हो जाता है, जिससे भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।

**एक आभासी बेस स्टेशन जो लंबी दूरी की, अत्यधिक सटीक नेटवर्क आरटीके (रियल-टाइम किनेमेटिक) सुधार प्रदान करता है, संदर्भ स्टेशनों के इस नेटवर्क द्वारा प्रदान किया जाता है। अगला चरण यह निर्धारित करना है कि किन गांवों का सर्वेक्षण किया जाएगा और जनता को संपत्ति मानचित्रण प्रक्रिया के बारे में सूचित करना है।**

भूमि स्वामित्व से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को विकास और सशक्तिकरण के अवसरों में बदलकर, स्वामित्व योजना ग्रामीण भारत की कहानी बदल रही है। यह योजना, जिसमें डिजिटल संपत्ति कार्ड और परिष्कृत ड्रोन सर्वेक्षण शामिल हैं, केवल सीमाओं और नक्शों के बजाय संभावनाओं और सपनों के बारे में है। स्वामित्व सिर्फ एक सरकारी कार्यक्रम से कहीं ज्यादा बन गया है क्योंकि गांव इस बदलाव का स्वागत करते हैं; यह बढ़ी हुई आजादी, ज्यादाा चतुराईपूर्ण योजना और ज़्यादा एकजुट, शक्तिशाली ग्रामीण भारत के पीछे एक प्रेरक शक्ति है। स्वामित्व योजना के परिणामस्वरूप ग्रामीण भारत बदल रहा है। भूमि स्वामित्व से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही कठिनाइयां विकास और आत्मनिर्णय के अवसरों में बदल रही हैं। बाधाओं को दूर करने, विवादों को निपटाने और संपत्ति को आर्थिक उन्नति के लिए एक शक्तिशाली साधन में बदलने के लिए नवाचार और समावेशिता को जोड़ा जा रहा है। डिजिटल संपत्ति कार्ड और परिष्कृत ड्रोन सर्वेक्षण इस बात के दो उदाहरण हैं कि कैसे योजना सरल सीमाओं और मानचित्रों से आगे जाती है। यह अवसरों और आकांक्षाओं से भरपूर है। गांव इस बदलाव को अपना रहे हैं और स्वामित्व महज सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भरता, बेहतर योजना और अधिक एकजुट ग्रामीण भारत सभी इसके द्वारा गति प्राप्त कर रहे हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

# आगामी केंद्रीय बजट में मिल सकती हैं कई सौगात

**- प्रहलाद सबनानी**

वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्त वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्त वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है।

केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दो एवं चार पहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लैट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है। इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं।

भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। एक फरवरी 2025 को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे केंद्रीय बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह भी कहना है कि न केवल आयकर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल मोहनदास पई का कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आयकर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आयकर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपये की राशि से बढ़ाकर 10 लाख कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपये की राशि से बढ़ाकर 2 लाख कर देना चाहिए। मकान निर्माण के लिए लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख से बढ़ाकर 3 लाख रुपये किया जाना चाहिए।

फरवरी महीने में ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पोलिसी की घोषणा भी होने जा रही है। रिजर्व बैंक से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे रेपो दर में कम से कम 25 अथवा 50 आधार बिंदुओं की कमी तो अवश्य करेंगे। क्योंकि, पिछले लगातार लगभग 24 माह तक रेपो दर में कोई भी परिवर्तन नहीं करने के चलते मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा मकान निर्माण एवं चार पहिया वाहन आदि खरीदने हेतु बैकों से लिए गए ऋण की किशत की राशि का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है। बैकों से लिए गए इस प्रकार के ऋणों एवं माइक्रो फाइनेंस की किश्तों की अदायगी में चूक की घटनाएं भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अब मुद्रा स्फीति की दर खाद्य पदार्थों के कुछ महंगे होने के चलते ही उच्च स्तर पर आ जाती है जबकि कोर मुद्रा स्फीति की दर तो अब नियंत्रण में आ चुकी है। खाद्य पदार्थों की मंहगाई को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखकर कम नहीं किया जा सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक को अब इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वित्त वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव के चलते देश में पूंजीगत खर्चों में कमी दिखाई दी है। इसीलिए अब लगातार यह मांग की जा रही है कि देश में वन नेशन वन इलेक्शन कानून को शीघ्र ही लागू किया जाना चाहिए क्योंकि बार बार देश में चुनाव होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के चलते अपने बजटीय खर्चों को रोक दिया जाता है जिससे देश का आर्थिक विकास प्रभावित होता है। अतः आगामी केंद्रीय बजट में पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर गम्भीरता दिखाई जाएगी। हालांकि वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में 7.50 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में 10 लाख करोड़ एवं वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था। अब वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कम से कम 15 लाख करोड़ के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे देश में धीमी पड़ रही आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में सहायता मिलेगी और रोजगार के करोड़ों नए अवसर भी निर्मित होंगे, जिसकी वर्तमान समय में देश को अत्यधिक आवश्यकता भी है।

विभिन्न राज्यों द्वारा चलायी जा रही फ्रीबीज की योजनाओं पर भी अब अंकुश लगाए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इन योजनाओं से देश के आर्थिक विकास को लाभ कम और नुक्सान अधिक होता है। केरल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं दिल्ली की स्थिति हम सबके सामने है। इस प्रकार की योजनाओं को चलाने के कारण इन राज्यों के बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। पंजाब तो किसी समय पर देश के सबसे सम्पन्न राज्यों में शामिल हुआ करता था परंतु आज पंजाब में बजटीय घाटा भयावह स्थिति में पहुंच गया है। जिससे ये राज्य आज पूंजीगत खर्चों पर अधिक राशि व्यय नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि इन राज्यों की न तो आय बढ़ रही है और न ही बजटीय घाटे पर नियंत्रण स्थापित हो पा रहा है।

वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने वाले उद्योगों को भी कुछ राहत प्रदान की जा सकती है क्योंकि आज देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की महती आवश्यकता है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को विशेष सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं। हां, साथ में तकनीकी आधारित उद्योगों को भी बढ़ावा देना होगा क्योंकि वैश्विक स्तर पर भी हमारे उद्योगों को हमें प्रतिस्पर्धी बनाना है। ग्रामीण इलाकों में आज भी भारत की लगभग 60 प्रतिशत आबादी निवास करती है अतः कृषि क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में कुटीर एवं लघु उद्योगों पर अधिक ध्यान इस बजट के माध्यम से दिया जाएगा, ताकि रोजगार के अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और नागरिकों के शहर की ओर हो रहे पलायन को रोका जा सके।

(लेखक, आर्थिक मामलों के जानकार हैं)

# महाकुंभ सनातन संस्कृति की आस्था और आध्यात्मिकता की जीवंत अभिव्यक्ति है

**प्रो. मनीषा शर्मा**

कुंभ भारत की सनातन संस्कृति की अद्वितीय शक्ति, आध्यात्मिकता, सहिष्णुता और एकता का प्रतीक है । यह आत्मा की शुद्धता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। भारत अपनी सनातन संस्कृति के लिए विश्व भर में जाना जाता है। यह कुंभ आत्मा के शुद्धिकरण और पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति का माध्यम है । कुंभ सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है बल्कि यह भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है ।

कुंभ मेला वसुधैव कुटुंबकम की उस अवधारणा को चरितार्थ करता है जिसमें संपूर्ण विश्व को स्वयं में समाहित करने की शक्ति है । देश दुनिया से अनेक लोग अपने-अपने आस्था- विश्वास की डोर को हाथों में थाम कर, अपने रीति- रिवाज, संस्कार, आचार- व्यवहार को अपने साथ लेकर भारत भूमि पर आए हैं और यहां का दृश्य देख वे आश्चर्य और विस्मय से भर गए हैं । वे देख रहे हैं कि भारत की सनातन संस्कृति किस तरह से अपनी बांहे खोल उनका स्वागत कर रही है। वे देख रहे है यहां की सामाजिक समरसता को जहां लिंग, जाति, धर्म, पंथ, संप्रदाय ,मत, अमीर-गरीब, पूरब - पश्चिम के भेद का कोई अर्थ नहीं है। यहां अनेक को एकाकार होते हुए देखा जा सकता है।

तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ हमारी सनातन संस्कृति की आस्था और आध्यात्मिकता की जीवंत अभिव्यक्ति है परंतु ऐसे समय में भी हमारे देश का विपक्ष राजनीति करने से,सनातन की मान्यताओं का मखौल उड़ाने से बाज नहीं आ रहा है। कुंभ में भाजपा नेताओं के स्नान को डुबकी कह कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बता दिया है कि उन्हें सनातन धर्म की, उसकी परंपराओं की कितनी गहरी समझ है। वरना वे करोड़ों लोगों की आस्था को अपने शब्दों से आहत नहीं करते । उन्होंने कहा कि इस महाकुंभ में हजारों रुपये खर्च कर के कंपटीशन में भाजपा नेता डुबकी लगा रहे हैं और तब तक डुबकी लगाते हैं जब तक टीवी में अच्छा नहीं आ जाता। उनका मानना है कि धर्म के नाम पर गरीबों का शोषण हो रहा है । उन्होंने कहा कि क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर हो सकती है ? क्या इससे पेट भरता है? उनका यह बयान उस दिन आया जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महाकुंभ में संगम पर पवित्र स्नान किया।

वस्तुत ऐसे ही बयान कांग्रेस और उसके नेताओं ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के समय दिये थे कि राम मंदिर बनने से क्या हो जाएगा? क्या लोगों को रोजगार मिल जाएगा,मंदिर की जगह अस्पताल की देश को जरूरत है आदि? आज उन्होंने गंगा स्नान पर इस तरह का बयान दिया है। बात सिर्फ महाकुंभ या राम मंदिर की नहीं है।

हमेशा से विपक्ष और विपक्ष के नेताओं ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर सनातन की आस्था पर प्रहार करने का एक भी मौका नहीं छोड़ा है। ये लोग बताए कि क्या महाकुंभ में आने वाला हर एक व्यक्ति बीजेपी का है। हजारों वर्षों की कुंभ की परंपरा क्या बीजेपी ने शुरू की थी? क्या ये कह सकते है कि हज यात्रा करने से क्या हो जाएगा? जब बात दूसरे धर्म की धार्मिक मान्यताओं की, परंपराओं की होती है तब यह लोग कुछ नहीं कहते परन्तु जब बात सनातन की होती है तो इनके सामने देश की हर समस्या आ जाती है।इन्हें सनातन संस्कृति की हर एक मान्यता, हर एक प्रथा , प्रत्येक रीति रिवाज अंधविश्वास लगता है। ये अपने बयानों में उसका मजाक उड़ाते हैं। पिछले 15 दिनो में महाकुंभ में 14 करोड लोगों ने पवित्र स्ना न किया है ।क्या ये सभी 14 करोड लोग भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता है या योगी ,मोदी सरकार के लोग हैं । इसी के साथ करीब 62 देशों के दो लाख के करीब विदेशी अनुयायियो ने महाकुंभ में स्नान किया जिनमें कई प्रसिद्ध लोग भी है। क्या वह भी बीजेपी के हो गए ।

**हमेशा से विपक्ष और विपक्ष के नेताओं ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर सनातन की आस्था पर प्रहार करने का एक भी मौका नहीं छोड़ा है। ये लोग बताए कि क्या महाकुंभ में आने वाला हर एक व्यक्ति बीजेपी का है। हजारों वर्षों की कुंभ की परंपरा क्या बीजेपी ने शुरू की थी? क्या ये कह सकते है कि हज यात्रा करने से क्या हो जाएगा? जब बात दूसरे धर्म की धार्मिक मान्यताओं की, परंपराओं की होती है तब यह लोग कुछ नहीं कहते परन्तु जब बात सनातन की होती है तो इनके सामने देश की हर समस्या आ जाती है।इन्हें सनातन संस्कृति की हर एक मान्यता, हर एक प्रथा , प्रत्येक रीति रिवाज अंधविश्वास लगता है। ये अपने बयानों में उसका मजाक उड़ाते हैं।**

आज संपूर्ण दुनिया महाकुंभ के वैभव, सनातन की आस्था को देखकर विस्मित, नतमस्तक है ।लेकिन हमारे देश के हिंदू धर्म में ही पैदा हुए लोग महाकुंभ में पवित्र स्नान को डुबकी लगाना, अंधविश्वास कहते हैं। इन लोगों को ना देश की सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान है, ना परंपरा की समझ है । लेकिन सवाल यही है कि हर बार सनातन पर ही प्रहार क्यों? क्यों हर बार सनातन की परंपरा, मूल्य, नायकों और संस्कृति को निशाना बनाकर प्रहार किया जाता है। भारत को एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में सारा विश्व जानता है राष्ट्र जिसकी एक संस्कृति, परंपरा, साहित्यिक अवधारणा आचार- विचार, व्यवहार होता है। इस संदर्भ में कुंभ महज एक मेला भर नहीं है। वह हजारों सालों से पोषित भारत की सनातन संस्कृति की वह परंपरा है जिसमें सनातन संस्कृति की आत्मा रची बसी है। अतः धर्मनिरपेक्षता का अर्थ किसी धर्म विशेष की आस्था पर प्रहार नहीं होता है। यह बात बड़े - बड़े बोल बोलने वाले और आस्था का अपमान करने वाले नेता जान लें तभी वे भी देश का और जनता का भला सोच पाएंगे।

(लेखिका, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक में प्राध?यापक हैं।)

## राष्ट्रीय खेलः बाक्सिंग प्रतियोगिता के लिए तैयारी पूरी

**एजेंसी**

**नैनीताल/पिथौरागढ।** अड़तीसवें राष्ट्रीय खेलों के अंतर्गत उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में होने वाली बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। यह बात पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने पत्रकारों से कही। उन्होंने इवेंटमेंट कंपनी के सदस्यों के साथ लेलू स्टेडियम का निरीक्षण भी किया। जिलाधिकारी ने कहा कि मंगलवार को प्रदेश में 38वें राष्ट्रीय खेलों का शुभारंभ हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इसका शुभारंभ किया जाएगा। जनपद स्तर पर भी उत्साह पूर्वक दीप उत्सव मनाया जाएगा, जिसका प्रसारण विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बाक्सिंग प्रतियोगिता के लिए विभिन्न प्रांतों से खिलाड़ी आने प्रारंभ हो गये हैं। मध्य प्रदेश के खिलाड़ी पिथौरागढ़ पहुंच चुके हैं। उन्होंने आम जनमानस से पिथौरागढ़ में होने वाले बॉक्सिंग प्रतियोगिता का हिस्सा बनने की अपील की।

## आशी किरण, रिदित टंडन, अयान भारती व शिखर वर्मा फाइनल में

**लखनऊ।** आशी किरण ने चंद्र प्रकाश अग्रवाल मेमोरियल यूपी राज्य रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाते हुए सेमीफाइनल में जीत से बालिका अंडर-16 की खिताबी होड़ में जगह बना ली। इसी के साथ बालक अंडर-12 में रिदित टंडन एवं बालक अंडर-16 में अयान भारती और शिखर वर्मा ने फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। उत्तर प्रदेश टेनिस

एसोसिएशन के तत्वावधान में एसडीएस टेनिस अकादमी द्वारा एसडीएस लामार्टिनियर टेनिस फैसिलिटी पर आयोजित इस टूर्नामेंट में बालिका अंडर-16 के सेमीफाइनल में आशी किरण ने ताशी किरण को 6-2, 6-2 से हराया। बालक अंडर-16 सेमीफाइनल में अयान भारती ने समर्थ भटनागर को 6-4 से व शिखर वर्मा ने शौर्य सिंह को 6-0 से हराया। बालक अंडर-12 के सेमीफाइनल में रिदित टंडन ने प्रवीर तिलक को 7-6(7-5) से शिकस्त दी।

## न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर इंग्लैंड सेमीफाइनल में

**कुचिंग।** टिली कॉर्टीन-कोलमैन (चार विकेट), प्रिशा थानावाला (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद जेमिमा स्पेंस (29) और डेविना पेरिन (21) रनों की पारियों के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने अंडर-19 टी-20 विश्वकप में ग्रुप दो के सुपर सिक्स मुकाबले में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हरा टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। इंग्लैंड टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी टीम हैं।न्यूजीलैंड के 89 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही उसने 34 के स्कोर पर अपने पहला विकेट डेविना पेरिन का विकेट गवां दिया। डेविना पेरिन ने 15 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए (21) रनों की पारी खेली उसके बाद ट्रुडी जॉनसन (सात) और कप्तान अबी नॉरग्रोव (दो) रन के विकेट जल्द ही गिरने से इंग्लैंड की टीम संकट में आ गयी थी। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी चार्लोट स्टब्स ने जेमिमा स्पेंस के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। नौंवे ओवर में जेमिमा स्पेंस ने 18 गेंदों में पांच चौके की मदद से (29) रन बनाकर आउट हुई। इंग्लैंड ने 11.4 ओवर में चार विकेट पर 90 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। चार्लोट स्टब्स ने (17) और केटी जोन्स (दो) रन बनाकर नाबाद रही।

## चीनी मूल की जेन्स असिंडे युगांडा की महिला बास्केटबॉल टीम में शामिल

**कंपाला।** चीनी मूल की बास्केटबॉल खिलाड़ी जेन्स असिंडे को 2025 एफआईबीए महिला एफ्रोबास्केट जोन 5 क्वालीफायर के लिए युगांडा की राष्ट्रीय महिला बास्केटबॉल टीम गेज़ेल्स में शामिल किया गया है। असिंडे, जो पिछले अक्टूबर में चीन के हेनान फीनिक्स टीम का हिस्सा बनी थीं, मिस्र के गीज़ा में 3 से 8 फरवरी के बीच आयोजित होने वाले क्वालीफायर में खेलेंगी। यह टूर्नामेंट महाद्वीपीय शोपीस में एकमात्र बर्थ के लिए मिस्र, केन्या, दक्षिण सूडान, तंजानिया और बुरुंडी के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। युगांडा के नए कोच निकोलस नटुहेरेज़ा ने असिंडे के अनुभव को टीम के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, असिंडे जैसी अनुभवी खिलाड़ी का टीम में होना हमारे लिए बहुत फायदेमंद है। वह टीम की सफलता में अहम भूमिका निभा सकती हैं। 2025 महिला एफ्रोबास्केट का 29वां संस्करण अबिदजान, कोट डी आइवर में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमें 2026 एफआईबीए महिला बास्केटबॉल विश्व कप क्वालीफायर में जगह बनाएंगी। असिंडे के शामिल होने से युगांडा टीम की संभावनाएं मजबूत मानी जा रही हैं, क्योंकि उनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव टीम को अतिरिक्त बढ़त प्रदान कर सकता है।

# क्रिकेट प्रतियोगिता : मेजबानी को तैयार उदयपुर,सबसे पहले पहुंची महाराष्ट्र की टीम

**एजेंसी**

**उदयपुर।** राजस्थान के उदयपुर में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) द्वारा आगामी 29 जनवरी से आयोजित होने वाली विद्यालयी 19 वर्ष छात्रा की 68वीं राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शहर के एमजीजीएस सुन्दरवास, उदयपुर की मेजबानी में 29 जनवरी से तीन फरवरी तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए देश भर से टीमों के उदयपुर पहुंचने का क्रम शुरू हो गया है। दोपहर में सबसे पहले महाराष्ट्र राज्य की टीम रेल मार्ग से उदयपुर पहुंची। तेलंगाना एवं उत्तर प्रदेश की टीम भी रात्रि को रेल मार्ग से उदयपुर पहुंच गई।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.लोकेश भारती ने बताया कि मंगलवार को अलसुबह से लेकर रात्रि तक दिन भर टीमों के आने का क्रम जारी रहेगा। रेलवे स्टेशन एवं

बस स्टैंड पर परिवहन समिति के सदस्यों को तैनात कर दिया गया है जहां से वह टीमों को बस द्वारा उनके आवास स्थल तक पहुंचाएंगे। आवास पर कोई परेशानी ना हो इसके लिए सभी स्थान पर आवास समिति के सदस्यों को नियुक्त कर दिया गया है, जिसमें महिला कार्मिकों को ही टीमों के कक्ष में प्रवेश की अनुमति होगी।श्री भारती ने प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए गठित की गई विभिन्न समितियो को अपने-अपने व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर सभी समितियां आपस में समन्वय करते हुए अपनी अपनी जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उदयपुर हमेशा किसी भी आयोजन को सर्वश्रेष्ठ तरीके से करता आया है वही छवि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी देखनी चाहिए।

अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मुरलीधर चौबीसा ने बताया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू एण्ड कश्मीर, उत्तराखंड, हरियाणा, आंध्रप्रदेश, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, केरला, पंजाब, झारखंड, गुजरात, बिहार, सीबीसीई डब्ल्यूएफ, आईपीएससी, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, सीआईएससीई, एवं राजस्थान सहित देश की 22 टीमें भाग रही हैं।

## 38वें राष्ट्रीय खेलः महाराष्ट्र ने ट्रायथलॉन मिश्रित रिले में जीता स्वर्ण पदक

**एजेंसी**

**हल्द्वानी ।** 38वें राष्ट्रीय खेल में ट्रायथलॉन मिश्रित रिले के रोमांचक मुकाबले में महाराष्ट्र की टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। आज यहां मानसखंड तरणताल, गोलापार में हुई स्पर्धा में महाराष्ट्र की टीम में पार्थ सचिन मिराजे, डॉली देविदास पाटिल, कौशिक विनय मलंदकर और मानसी विनोद मोहिते ने 02:12:06 का समय लेकर, शानदार तालमेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक जीता

मध्य प्रदेश की कुर चहर, दुर्विशा पवार, रोशन गोंड और आध्या सिंह की टीम ने भी कड़ी चुनौती दी और 02ः12ः41 का समय लेते हुए दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक अपने नाम किया। तमिलनाडु की टीम ने 02ः14ः08 के समय के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी टीम में आकाश पेरूमलसामी, कीर्ति एस, साई लोहिताक्ष के.डी और आरती एस ने भाग लिया। महाराष्ट्र की टीम ने अपनी जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, ÷यह पहली बार है जब हमने गरम पानी में तैराकी की, जो हमारे लिए काफी अलग अनुभव था। यथलॉन स्पर्धा आमतौर पर समुद्र, पूल, या खुले पानी

में होते हैं, इसलिए यह हमारे लिए एक नया और यादगार अनुभव था। स्पर्धा के दौरान दबाव को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में मानसी विनोद मोहिते ने कहा, हम नियमित अभ्यास पर भरोसा करते हैं और हमारे कोच का अटूट समर्थन हमेशा हमारे साथ रहता है। इससे पहले इंडिविजुअल ट्रायथलॉन में महाराष्ट्र के पार्थ सचिन मिराजे, डॉली देवीदास पाटिल और मानसी विनोद मोहिते ने स्वर्ण और रजत जीते थे। साथ ही मध्य प्रदेश की आध्या सिंह ने भी कांस्य जीता।

## तरूण संघा पर गढ़वाल की धमाकेदार जीत

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** डीएसए प्रीमियर लीग के एकतरफा मुकाबले में नेहरू स्टेडियम में गत विजेता गढ़वाल हीरोज फुटबाल क्लब ने तरुण संघा को 4 -1 से हरा कर ना सिर्फ शानदार जीत दर्ज की, फार्म वापसी का संकेत भी दिया। वहीं दिन के पहले मुकाबले में वाटिका एफसी ने दिल्ली एफसी को 2-2 की बराबरी पर रोक दिया।

गढ़वाल की जीत में प्लेयर ऑफ द मैच पियूष भंडारी, ममता मॉडर्न स्कूल के 17 वर्षीय आदित्य अधिकारी, इशानबोक और मालेम ने गोल जमाए। पराजित टीम का इकलौता गोल ओलेन सिँह के नाम रहा। दिल्ली एफसी के गोल बितान सिँह और सेमसन ने किए, जबकि होकिप और बलराज ने दूसरे हाफ में हिसाब चुकता किया। गढ़वाल और तरुण संघा का मैच तेज रफ्तार से खेला गया लेकिन गत लीग विजेता गढ़वाल ने जल्दी ही खेल पर पकड़ बना ली और पहले हाफ में दो खूबसूरत गोल जमा कर अपने इरादे ज़ाहिर कर दिए। भंडारी, अधिकारी, इशानबोक,कप्तान मिलिंद नेगी और

मालेम थॉदाम के आक्रमक खेल के चलते प्रतिद्वंद्वी टीम ने जल्दी ही हथियार डाल दिए। गोल अंतर दुगुना हो सकता था लेकिन गढ़वाल की अग्रिम पंक्ति ने छह से अधिक आसान मौके गँवाए। नेशनल यूनाइटेड क्लब के विरुद्ध महत्वपूर्ण अंक गँवाने के बाद गढ़वाल ने बड़ी जीत पाई है।

दिल्ली एफसी पहले 25 मिनट में 2-0 की बढ़त लेने में कामयाब रही। बितान और सेमसन के गोलों से बढ़त लेने के बाद उसके प्रदर्शन में गिरावट आई, जिसका फायदा उठा कर वाटिका ने होकिप और बलराज के गोलों से वापसी की लेकिन दो खिलाडियों को लाल कार्ड देखने का परिणाम यह रहा कि दिल्ली एफसी का पलड़ा हल्का पड़ गया और वाटिका दोनों गोल उतारने में सफल रही।

## विदेशी खिलाड़ियों को भुगतान न करने पर बीसीबी करेगा दरबार राजशाही के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

**एजेंसी**

ढाका । बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) विदेशी खिलाड़ियों को निर्धारित समय सीमा में भुगतान न करने के मामले में बंगलादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) की फ्रेंचाइजी दरबार राजशाही के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा। इफ्तिखार ने मीडिया से बातचीत से कहा, अब हमें किसी भी तरह कानूनी कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने कहा भुगतान करना होगा नहीं तो बीपीएल की साख खराब हो जाएगी। चेक बाउंस और अनुबंध के उल्लंघन जैसे मुद्दों पर हम मामले दर्ज करेंगे। बोर्ड ने उन्हें कई अवसर दिए, लेकिन उन्होंने आज तक कोई कदम नहीं उठाया, लेकिन अब हम उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। बिना विदेशी खिलाड़ियों के खेले गये मैच के बाद तास्किन अहमद ने हालांकि इस बात की पुष्टि की है कि राजशाही ने स्थानीय खिलाड़ियों को कुछ भुगतान किया। उन्होंने कहा कि आज हमें चेक दिये गये। हम इसे आज ही जमा करेंगे। उम्मीद है कि यह क्लीयर हो जाए। अगर यह चेक इस विकेट की तरह

बाउंस हुआ, तो हम मुश्किल में पड़ जाएंगे। हर कोई बीपीएल में शांत माहौल में खेलना चाहता है। लेकिन जब ऐसी चीजे होती हैं, तो हमें निराशा होती है। इस सीजन बीपीएल बेहद लोकप्रिय है, लेकिन हमारी टीम को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है फ्रेंचाइजी द्वारा भुगतान न किये जाने पर राजशाही के विदेशी खिलाड़ियों ने रंगपुर राइडर्स के खिलाफ खेलने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद बीपीएल गवर्निंग काउंसिल की अनुमति से बिना विदेशी खिलाड़ी के मैच खेला गया। बीपीएल के नियमों के अनुसार हर टीम को अपने प्लेइंग इलेवन में कम से कम दो और अधिकतम चार विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करना होता है।

# स्मृति मंधाना को आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर का खिताब

**एजेंसी**

**दुबई।** भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को वर्ष 2024 में शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी महिला एकदिवसीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर के खिताब से नवाजा गया है। बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज ने 2024 में एकदिवसीय मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया और कई शतकीय पारियां खेलते हुए बड़ा स्कोर कर टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और मुश्किल सीरीज में ढ़ेरो रन बनाये। मंधाना ने करियर में चौथी बार आईसीसी पुरस्कार जीता है। इससे पहले वह 2018 और 2021 में महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर, जबकि 2018 में ही महिला एकदिवसीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। जून में दक्षिण अफ्रीका

के खिलाफ 3-0 की सीरीज जीत में मंधाना का महत्वपूर्ण योगदान रहा इस दौरान उन्होंने लगातार दो शतक लगाकर। इसके बाद अक्टूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के निर्णायक मैच में एक बेहतरीन शतक लगाया। मंधाना ने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में एक चुनौतीपूर्ण शतक लगाया और ऑस्ट्रेलिया को हार का सामना करना पड़ा। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार इस साल महिला एकदिवसीय में मंधाना ने अंतरराष्ट्रीय मैचों की 13 पारियों में 747 रन बनाने के साथ शीर्ष पर रही। लॉरा वोल्वार्ड्ट 697 रन के साथ दूसरे, टैमी ब्यूमोंट 554 रन के साथ तीसरे और हेले मैथ्यूज 469 रन के साथ चौथे स्थान पर रही। मंधाना का इस साल 57.86 औसत रहा और उन्होंने 95.15 की शानदार स्ट्राइक रेट के साथ 747 रन बनाए। उन्होंने इस साल चार एकदिवसीय शतक भी लगाए जोकि महिला क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड है। इस साल उन्होंने 95 चौके और छह छक्के लगाए।

## दिल्ली टीम के साथ कोहली करेंगे अभ्यास

**एजेंसी**

**मेलबर्न।** खराब फॉर्म से जूझ रहे भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली दिल्ली टीम के साथ अभ्यास करेंगे। कोहली ने 30 जनवरी से दो फरवरी तक अरुण जेटली स्टेडियम में रेलवे के खिलाफ होने वाले आखिरी ग्रुप मैच के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। वह वर्ष 2012 के बाद से पहली रणजी ट्रॉफी मैच में खेलेंगे। उल्लेखनीय है कि गर्दन की चोट के कारण कोहली पिछले मैच में नहीं खेल पाये थे। पिछले कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर कोहली मुंबई स्थित प्रशिक्षण केंद्र में पूर्व भारतीय खिलाड़ी और आरसीबी बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ के साथ देखे गये हैं।कोहली 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले तीन मैचों की द्विपक्षीय सीरीज के लिए एकदिवसीय टीम का हिस्सा हैं।

## शीतकालीन खेलः लद्दाख चार स्वर्ण सहित कुल सात पदक से साथ शीर्ष पर रहा

**एजेंसी**

**लेह (लद्दाख)।** लद्दाख ने खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 के पहले चरण के आखिरी दिन चार में दो स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। उसके बाद तमिलनाडु (तीन स्वर्ण सहित पांच पदक) का स्थान रहा। महाराष्ट्र ने सबसे अधिक पदक (10) जीते, लेकिन केवल दो स्वर्ण के कारण वह तीसरे स्थान पर रहा। वही तेलंगाना (दो स्वर्ण) चौथे और कर्नाटक (एक स्वर्ण) पांचवें स्थान पर रहे। आज यहां पुरुष आइस हॉकी के फाइनल मुकाबले में भारतीय सेना ने भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को 2-1 से हराकर खेलो इंडिया शीतकालीन खेल का अपना खिताब बरकरार रखा। आज यहां खेले गये मुकाबलों में लद्दाख ने चार में से दो स्वर्ण पदक जीते। स्टैनज़िन जम्पल, स्कार्मा त्सुल्टिम, मोहम्मद सकफ रजा और पद्मा एंगमो की मिश्रित रिले चौकड़ी ने 3:02.19 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र (3:03.78

सेकंड) और तेलंगाना (3:04.85 सेकंड) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता।

लद्दाख की लड़कियों ने एनडीएस स्टेडियम परिसर में महिला राउंड-रॉबिन लीग में आईटीबीपी को 4-0 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। महिला आइस हॉकी पिछले साल ही शुरू हुई थी और दिलचस्प बात यह है कि लद्दाख फाइनल मैच में आईटीबीपी से 4-0 के स्कोर से हार गया था।लद्दाख ने अपनी पिछली हार का बदला ले लिया। हिमाचल प्रदेश को तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक मिला। फाइनल स्केटिंग इवेंट में, 500 मीटर महिला लॉन्ग ट्रैक (गुपुक्स में), यशश्री ने 00:58:00 समय के साथ तमिलनाडु के लिए का तीसरा स्वर्ण जीता। महाराष्ट्र की रिया विलास गायकवाड़ (1ः04.31 सेकंड) और कर्नाटक की श्रीजा एस राव (1ः04.93 सेकंड) ने सबसे कड़े मुकाबले में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 का दूसरा और अंतिम चरण 22-25 फरवरी को जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में आयोजित किया जाएगा।

## 38वें राष्ट्रीय खेलों में 364 शूटर 29 टीमों का करेंगे प्रतिनिधित्व

**एजेंसी**

**मुल्तान ।** जोमेल वारिकन (पांच विकेट), केविन सिंक्लेयर (तीन विकेट) और गुडाकेश मोती (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन पाकिस्तान को 120 रनों से हरा दिया। इसी जीत के साथ वेस्टइंडीज ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में एक-एक से बराबरी पर समाप्त की। इस टेस्ट सीरीज में कुल 19 विकेट लेने और 85 रन बनाने वाले वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन को 'मैन ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' के पुरस्कार से नवाजा गया है। पाकिस्तान ने कल चार विकेट पर 76 रन से आगे खेलना शुरु किया। केविन सिंक्लेयर ने आज सुबह के पहले सत्र की शुरुआत सऊद शकील (13) को आउट कर की। इसके बाद जोमेल वारिकन ने बल्लेबाजी करने आये काशिफ अली (एक) को बोल्ड कर पाकिस्तान को छठा झटका दिया। पाकिस्तान ने अपने छह विकेट गवां दिये थे और उसका स्कोर 76 रन ही था। आगा सलमान और मोहम्मद रिजवान ने पारी संभालने का प्रयास किया। 115 के स्कोर पर वारिकन ने आगा सलमान (15) को पगबाधा आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद वारिकन ने मोहम्मद रिजवान (25) को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को आठवीं सफलता दिलाई। नोमान अली (शून्य) को गुडाकेश मोती ने अपना शिकार बनाया। 44वें ओवर में वारिकन ने साजिद खान (सात) रन को बोल्ड कर 133 के स्कोर पर पाकिस्तान की दूसरी पारी का अंत कर दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जोमेल वारिकन ने 16 ओवर में 27 रन देकर पांच विकेट लिये। केविन सिंक्लेयर ने 17 ओवर में 61 रन देकर तीन विकेट झटके।

## विदेशी खिलाड़ियों को भुगतान न करने पर बीसीबी करेगा दरबार राजशाही के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

**एजेंसी**

**ढाका।** बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) विदेशी खिलाड़ियों को निर्धारित समय सीमा में भुगतान न करने के मामले में बंगलादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) की फ्रेंचाइजी दरबार राजशाही के कानूनी कार्रवाई करेगा। इफ्तिखार ने मीडिया से बातचीत से कहा, अब हमें किसी भी तरह कानूनी कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने कहा भुगतान करना होगा नहीं तो बीपीएल की साख खराब हो जाएगी। चेक बाउंस और अनुबंध के उल्लंघन जैसे मुद्दों पर हम मामले दर्ज करेंगे। बोर्ड ने उन्हें कई अवसर दिए, लेकिन उन्होंने आज तक कोई कदम नहीं उठाया, लेकिन अब हम उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।बिना विदेशी खिलाड़ियों के खेले गये मैच के बाद तास्किन अहमद ने हालांकि इस बात की पुष्टि की है कि राजशाही ने स्थानीय खिलाड़ियों को कुछ भुगतान किया। उन्होंने कहा कि आज हमें चेक दिये गये। हम इसे आज ही जमा करेंगे।

उम्मीद है कि यह क्लीयर हो जाए। अगर यह चेक इस विकेट की तरह बाउंस हुआ, तो हम मुश्किल में पड़ जाएंगे। हर कोई बीपीएल में शांत माहौल में खेलना चाहता है। लेकिन जब ऐसी चीजे होती हैं, तो हमें निराशा होती है। इस सीजन बीपीएल बेहद लोकप्रिय है, लेकिन हमारी टीम को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है फ्रेंचाइजी द्वारा भुगतान न किये जाने पर राजशाही के विदेशी खिलाड़ियों ने रंगपुर राइडर्स के खिलाफ खेलने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद बीपीएल गवर्निंग काउंसिल की अनुमति से बिना विदेशी खिलाड़ी के मैच खेला गया। बीपीएल के नियमों के अनुसार हर टीम को अपने प्लेइंग इलेवन में कम से कम दो और अधिकतम चार विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करना होता है।

# राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए बनेगी नई नीतिः मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह

**एजेंसी**

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने यहां कहा कि राज्य सरकार जल्द ही राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए नई नीति लाएगी।श्री सुक्खू ने यह बात उत्तराखंड में आयोजित होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने जा रहे राज्य के खिलाड़ियों के दल को संबोधित करते हुए कही। राज्य का 200 सदस्यीय दल 28 जनवरी से 14 फरवरी तक होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेगा।मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। जिला स्तर पर बुनियादी खेल ढांचे का विकास किया जा रहा है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। श्री सुक्खू ने कहा कि ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि तीन करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दी गई है। इसी तरह, रजत पदक विजेताओं को दो करोड़ रुपये के स्थान पर तीन करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं के लिए यह राशि एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर दो करोड़ की गई है। उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि 50 लाख रुपये से बढ़ाकर चार करोड़ रुपये कर दी गई है। रजत पदक विजेताओं को अब 30 लाख रुपये के स्थान पर 2.5 करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को 20 लाख रुपये के स्थान पर 1.5 करोड़ रुपये मिलेंगे, जबकि राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेताओं को 50 लाख रुपये के स्थान पर तीन करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं को 30 लाख रुपये के स्थान पर दो करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को 20 लाख रुपये के स्थान पर एक करोड़ रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के कल्याण की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए कहा कि उनका भी खेल से जुड़ाव रहा है और खिलाड़ियों की जरूरतों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इससे पहले अंडर-17 और अंडर-19 खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए 150 रुपये और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए 250 रुपये डाइट मनी मिलती थी। वर्तमान राज्य सरकार द्वारा इस राशि को बढ़ाकर क्रमशः 400 रुपये तथा 500 रुपये किया गया है। इसी प्रकार, अंडर-14 खिलाड़ियों के लिए राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए डाइट मनी 120 रुपये से बढ़ाकर 250 रुपये तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए 250 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये कर दी गई है। खेल छात्रावासों में रहने वाले खिलाड़ियों के लिए डाइट मनी भी 150 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा, राज्य से बाहर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अब 200 किलोमीटर तक की दूरी के लिए एसी थ्री-टियर रेल किराया तथा 200 किलोमीटर से अधिक की दूरी के लिए इकोनॉमी क्लास हवाई किराया दिया जाएगा। इस अवसर पर उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, विधायक हरीश जनारथा तथा बावा हरदीप सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान तथा विभिन्न खेल संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

# 1971 के भारत-पाक युद्ध में विजय को याद करने वाले मोनोलिथ का अनावरण किया गया

**जम्मू, 28 जनवरी (हि.स.)।** 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय चिनाब ब्रिगेड की ऐतिहासिक जीत की याद में जम्मू के सीमावर्ती गांव परगवाल के पास एक मोनोलिथ का अनावरण किया गया। परगवाल पराक्रम स्तंभ नामक यह संरचना टाइगर डिवीजन के तत्वावधान में फुकलियान (चिनाब एन्क्लेव) की लड़ाई में लड़ने वाले सैनिकों की वीरता और बलिदान का सम्मान करती है।

चिनाब ब्रिगेड के कमांडर द्वारा उद्घाटन किया गया मोनोलिथ भारतीय सैनिकों की बहादुरी का प्रमाण है और इसका उद्देश्य स्थानीय लोगों और युवाओं को देश के इतिहास के इस महत्वपूर्ण अध्याय के बारे में शिक्षित करना है।

समारोह में सैन्य दिग्गजों, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के अधिकारियों, नागरिक प्रशासन के अधिकारियों, स्थानीय निवासियों और स्कूली बच्चों ने भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए कमांडर चेनाब ब्रिगेड ने भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सैन्य-नागरिक सहयोग को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रवाद की भावना का जश्न मनाया गया जिसमें पर्गवाल पराक्रम स्तंभ भारतीय सैनिकों के साहस और निस्वार्थ बलिदान का प्रतीक है। यह गौरवशाली अतीत की एक स्थायी याद के रूप में कार्य करता है, जो भावी पीढ़ियों को बहादुरी और समर्पण के मूल्यों का सम्मान करने और उन्हें बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है।

# प्रियंका गांधी ने वायनाड में बाघ हमले की शिकार राधा के परिवार से मुलाकात की

**नई दिल्ली, 28 जनवरी (हि.स.)।** कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने मंगलवार को केरल के वायनाड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राधा के परिवार से मुलाकात की। राधा की हाल ही में मनांतावडी के कनियारम में बाघ के हमले में मौत हो गई थी। प्रियंका गांधी का यह दौरा क्षेत्र में मानव-पशु संघर्षों पर बढ़ती चिंताओं के बीच हुआ है। इन हमलों में चार लोगों की जान चली गई है, जिनमें पिछले महीने सरोजिनी, मनी और विष्णु नामक तीन लोग हाथी के हमले के शिकार हुए हैं।

प्रियंका गांधी और कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने वन्यजीव-मानव संघर्ष के तत्काल मुद्दे को संबोधित करने के लिए वायनाड में कलेक्ट्रेट में जिला अधिकारियों से भी मुलाकात की। उन्होंने संभावित समाधानों पर चर्चा की और हाल ही में बाघ के हमले में दुखद रूप से मारी गई दिवंगत राधा के परिवार से सुझाव भी मांगे। मीडिया से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने इस ज्वलंत मुद्दे को संसद और अन्य प्रासंगिक मंचों पर उठाने और स्थायी समाधान खोजने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर इस बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा कि वायनाड में मजदूरी और समय को लेकर भी समस्याएं हैं। लोगों को यह भी लगता है कि जानवरों को उनके क्षेत्र में आने से रोकने के लिए पर्याप्त बाड़ नहीं है, जहां वे हर दिन काम करते हैं और पार करते हैं।

प्रियंका ने कहा, मैंने ये कुछ सुझाव दिए हैं, और मैंने अपनी ओर से भी कुछ साझा किए हैं। कुछ चीजें ऐसी हैं जिनके लिए सीएसआर फंड भी जुटाए जा सकते हैं, और इसलिए मैं उन फंड को भी जुटाने की पूरी कोशिश करूंगी।

# सेना ने राजौरी में छात्रों के लिए प्रेरक फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन किया

**जम्मू, 28 जनवरी (हि.स.)।** हाल ही में राजौरी जिले के केरी स्थित टीएफएस में छात्रों के लिए प्रेरक फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन करके युवा मन को प्रेरित करने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाया गया। इस कार्यक्रम में 59 छात्रों ने भाग लिया जिसमें 35 लड़कियां और 20 लड़के शामिल थे। साथ ही 4 शिक्षक भी थे। यह सेना की दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं को प्रोत्साहित करने की पहल का हिस्सा था।

इस फिल्म का उद्देश्य छात्रों में दृढ़ संकल्प और जिम्मेदारी की भावना जगाना था और उन्हें कड़ी मेहनत करने, बड़े सपने देखने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करना था। छात्रों और शिक्षकों दोनों ने इस कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त किया, जिसे मनोरंजक और ज्ञानवर्धक दोनों बताया गया। इस तरह के प्रयासों के माध्यम से भारतीय सेना जम्मू और कश्मीर में युवाओं की आकांक्षाओं को पोषित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती रहती है। इस कार्यक्रम की सफलता ने न केवल शिक्षा के महत्व को उजागर किया, बल्कि छात्रों के बीच अपने शैक्षणिक और व्यक्तिगत लक्ष्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उत्साह और प्रेरणा की लहर भी पैदा की।

# पीएम-सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना पर एक दिवसीय जागरूकता अभियान

**जम्मू 28 जनवरी (हि.स.)।** ग्रीन कैंपस टास्क फोर्स (जीसीएफटी-जेयू) ने जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के सहयोग से जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के फाउंटेन प्लाजा के पास पीएम-सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना पर एक दिवसीय जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जम्मू विश्वविद्यालय की डीन अकादमिक मामले प्रोफेसर अंजू बेसिन ने डॉ. नीरज शर्मा, रजिस्ट्रार और डॉ. गित्री डोगरा, निदेशक डीआईक्यूएए जेयू की उपस्थिति में कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया।

जागरूकता अभियान का आयोजन बिजली उपभोक्ताओं, विशेष रूप से विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को सूचित करने और मार्गदर्शन करने के लिए किया गया था कि वे कैसे कम लागत पर अपने संबंधित घरों में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाकर अपने मासिक बिजली बिलों को 50 : तक कम कर सकते हैं। इस योजना का उद्देश्य जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में सुधार करना है।

# जम्मू से प्रयागराज कुंभ के लिए श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाई

**जम्मू 28 जनवरी (हि.स.)।** श्री भगवान पशुराम ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक एडवोकेट अशोक कुमार शर्मा, पूर्व विधायक और इसके अध्यक्ष डॉ. कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को एक समारोह में मंदिरों के शहर जम्मू से श्रद्धालुओं के एक समूह को प्रयागराज के लिए हरी झंडी दिखाई। जो महाकुंभ 2025 के लिए उनकी आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत है।

झंडी दिखाने के समारोह में श्री भगवान परशुराम ट्रस्ट के सदस्यों के अलावा अन्य आध्यात्मिक व्यक्तियों ने भाग लिया जिन्होंने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया और उनकी सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध यात्रा की कामना की।

श्रद्धालुओं को हरी झंडी दिखाते हुए एडवोकेट अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि परंपरा और आध्यात्मिकता से ओतप्रोत यह पवित्र त्योहार हमें आध्यात्मिक ज्ञान और आत्म.खोज की खोज में दूर.दूर से एक साथ लाता है जो इस पवित्र यात्रा पर निकलते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस पवित्र भूमि में व्याप्त दिव्य ऊर्जा में खुद को विसर्जित करें और गंगा का पवित्र जल पापों को धोता है और पवित्र अनुष्ठान और समारोह हमें आध्यात्मिक जागृति की ओर ले जाते हैं।

डॉ. कुलदीप शर्मा ने कहा कि महाकुंभ की एकता, करुणा और भक्ति की भावना हम सभी को प्रेम, शांति और सद्भाव से भरी दुनिया के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ 2025 में दुनिया भर से 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश सरकार ने तीर्थयात्रियों के लिए एक सुरक्षित और आरामदायक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियाँ की हैं। जम्मू से श्रद्धालु बस द्वारा प्रयागराज जाएँगे जहाँ वे पवित्र अनुष्ठानों में भाग लेंगे और गंगा में पवित्र स्नान करेंगे।

# केशव चोपड़ा ने उपराज्यपाल से मुलाकात की

**जम्मू 28 जनवरी (हिं.स.)।** संवेदना सोसाइटी के अध्यक्ष और प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता केशव चोपड़ा ने मंगलवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और उपराज्यपाल को सार्वजनिक महत्व के विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया। केशव ने उन्हें सोसाइटी के विभिन्न वर्गों के लिए संवेदना द्वारा की गई गतिविधियों और कार्यों के बारे में जानकारी दी। केशव चोपड़ा ने इस बात पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी सोसाइटी जम्मू और कश्मीर की संस्कृति और स्थानीय कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सोसाइटी के भविष्य के प्रयासों के बारे में भी उपराज्यपाल को अवगत कराया।

# गौ माता को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा दिलाने के आंदोलन के 100 दिन पूरे

**जम्मू, 28 जनवरी (हि.स.)।** मूवमेंट कल्कि द्वारा गौ माता को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे आंदोलन ने आज 100 दिन पूरे कर लिए। इस अवसर पर होटल नेक, ज्वेल, जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। आंदोलन के उद्देश्यों और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा करते हुए संगठन ने सरकार और राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

मूवमेंट कल्कि के सलाहकार प्रीतम शर्मा ने कहा कि आंदोलन भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की आत्मा को बचाने का प्रयास है। उन्होंने सरकार पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए सभी राजनीतिक दलों से एक सप्ताह के भीतर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की।

आंदोलन की चेतावनी और भविष्य की रणनीति पर बात करते हुए कहा गया कि यदि राजनीतिक दल तय समय में अपना रुख स्पष्ट नहीं करते, तो मूवमेंट कल्कि प्रदर्शन तेज करेगा। इसमें दलों के मुख्यालयों पर प्रदर्शन, पुतला दहन, और आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर तक विस्तार देने की योजना शामिल है।

# नियंत्रण रेखा के पास बड़े पैमाने पर चलाया गया तलाशी अभियान

**जम्मू, 28 जनवरी (हि.स.)।** सुरक्षाबलों ने मंगलवार को नियंत्रण रेखा के पास ऊंचाई वाले इलाकों और जंगली इलाकों में करीब दो दर्जन जगहों पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया है। पिछले साल जम्मू संभाग के विभिन्न जिलों में कई हमले करने वाले आतंकवादियों की गतिविधियों को देखते हुए यह अभियान चलाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 2021 से राजौरी और पुंछ के जुड़वां सीमावर्ती जिलों में घातक हमले करने के बाद आतंकवादियों ने पिछले साल जम्मू क्षेत्र के छह अन्य जिलों में अपनी गतिविधियां फैलाई, जिसमें 18 सुरक्षाकर्मियों और 13 आतंकवादियों सहित 44 लोग मारे गए। हालांकि, राजौरी और पुंछ के पीर पंजाल जिलों में पिछले वर्षों की तुलना में 2024 में आतंकवादी गतिविधियों में काफी गिरावट देखी गई, लेकिन

अप्रैल-मई के बाद से रियासी, डोडा, किश्तवाड़, कठुआ, उधमपुर और जम्मू में घटनाओं की श्रृंखला सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बन गई। अधिकारियों ने बताया कि 23 स्थानों पर तलाशी अभियान चल रहा है। सबसे अधिक चिनाब घाटी के किश्तवाड़, डोडा और रामबन जिलों में 10 स्थानों पर, राजौरी-पुंछ जिलों में सात स्थानों पर और उधमपुर में तीन, रियासी में दो और जम्मू जिले में एक स्थान पर तलाशी अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि घने जंगलों में पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ तालमेल में सेना के इन तलाशी अभियानों का उद्देश्य जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तानी आकाओं के प्रयासों को विफल करना है। उन्होंने कहा कि गर्मियों की शुरुआत से पहले आने वाले महीनों में क्षेत्र के वर्चस्व के साथ-साथ तलाशी अभियान और तेज कर दिए जाएंगे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पिछले साल डोडा, कठुआ और रियासी जिलों में नौ-नौ हत्याएं दर्ज की गईं। मृतकों में 18 सुरक्षाकर्मी और 13 आतंकवादी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के हाथों मारे गए 14 नागरिकों में से सात शिव खोडी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्री और तीन ग्राम रक्षा गार्ड थे।

# पुलिस महानिरीक्षक बिरदी ने लोगों को शब-ए-मेहराज के अवसर पर दी शुभकामनाएं

**श्रीनगर, 28 जनवरी (हि.स.)।** कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक वी के बिरदी-आईपीएस ने मंगलवार को लोगों को शब-ए-मेहराज के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। एक्स के माध्यम से आईजीपी कश्मीर ने घाटी के लोगों को शब-ए-मेहराज की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं दी। उहोंने कहा कि यह मुबारक अवसर सभी के लिए शांति, खुशी और सद्भाव लाए। इस बीच सोमवार शाम को दरगाह हजरतबल में शब-ए-मेहराज की सबसे बड़ी भीड़ देखी गई, जहां पैगंबर मोहम्मद के पवित्र अवशेष रखे गए हैं। विभिन्न इस्लामी और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों ने भी पारंपरिक रूप से मस्जिदों और अन्य स्थानों पर विशेष प्रार्थना और महाफिल-ए-नात का आयोजन किया था ताकि सामूहिक रूप से सर्वशक्तिमान अल्लाह का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सके।

# आग लगने की घटना में डीएसपी घायल

**श्रीनगर, 28 जनवरी (हि.स.)।** श्रीनगर के जवाहर नगर इलाके में मंगलवार को सरकारी आवासीय संपत्ति में आग लगने की घटना में एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) घायल हो गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के डीएसपी हिलाल अहमद इस आग लगने की घटना में तब घायल हो गए जब उनके सरकारी आवासीय घर में आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें तुरंत इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हालांकि अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। स्थानीय निवासियों ने भी आग पर काबू पाने में मदद की।

आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच में बिजली के शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही है लेकिन अधिकारियों ने सटीक कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

# दूरदर्शन अनुमोदित नाटक कलाकार संघ जम्मू के एक प्रतिनिधिमंडल ने सत शर्मा से मुलाकात की

**जम्मू 28 जनवरी (हि.स.)।** दूरदर्शन अनुमोदित नाटक कलाकार संघ जम्मू के एक प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष सत शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जम्मू में सैटेलाइट डुग्गर चैनल स्थापित करने से संबंधित अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता, नानाजी देशमुख पुस्तकालय प्रभारी प्रो. कुलभूषण मोहत्रा, परदुमन सिंह, विनय गुप्ता और नरिंदर गुप्ता भी मौजूद थे। उनका नेतृत्व डीएडीएए के अध्यक्ष जे.एस. बबली ने किया। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने कहा कि डोगरी भाषा को भारत के संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल किया गया है और जम्मू डोगरा भूमि होने के कारण इस भाषा के प्रचार.प्रसार की आवश्यकता है। कश्मीर में कश्मीरी बोली जाती है जबकि जम्मू क्षेत्र में डोगरी बोली जाती है। कश्मीरी भाषा के दर्शकों के लिए एक कश्मीरी चैनल स्थापित किया गया है लेकिन दुर्भाग्य से डीएडीएए द्वारा डुग्गर चैनल के लिए बार.बार किए गए अनुरोध को स्वीकार नहीं किया गया है। यह डोगरा चैनल जम्मू प्रांत के 32,200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करेगा और जम्मू एवं कश्मीर राज्य के खिलाफ पाकिस्तान के झूठे प्रचार का मुकाबला कर सकता है क्योंकि यह भाषा अधिकतम क्षेत्रों में अच्छी तरह से समझी और बोली जाती है।

जम्मू में डुग्गर चैनल प्रदान करके इस भाषा को बोलने वाले लोगों की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दिया जाएगा क्योंकि यह भाषा हिमाचल, पंजाब के कुछ हिस्से और जम्मू और पंजाब सीमा से सटे पाकिस्तान में भी बोली जाती है। वर्तमान डीडीके जम्मू केवल एक केंद्र है लेकिन देश के अन्य केंद्रों के बराबर बजट प्रदान नहीं किया जाता है। इसके अलावा पीजीएफ राजौरी भी डीडीके जम्मू पर निर्भर है क्योंकि इसके लिए कोई अलग से अनुदान बजट प्रदान नहीं किया जाता है। कश्मीरी प्रवासी कलाकारों को भी डीडीके जम्मू के अनुदान से भोजन मिलता है। उन्होंने अनुरोध किया कि डीडीके जम्मू के लिए अनुदान बजट श्रीनगर केंद्र के बराबर आवंटित किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि उनके संघ ने 1999 में 24 घंटे सेवा वाले चौनल की मांग उठाई थी और अब वे दोहराते हैं कि वर्तमान डीडीके जम्मू को डीटीएच पर शामिल किया जाना चाहिए ताकि यह पूरे भारत और इसकी सीमाओं से परे पहुंच सके। डुग्गर चैनल के लिए प्रसार भारती को केवल आदेश जारी करने हैं क्योंकि डीडीके जम्मू में उपलब्ध बुनियादी ढांचे का उपयोग हमारे सांस्कृतिक मूल्योंए भाषाई बहुलता और समग्र विकास के पहलू को बेहतर ढंग से प्रचारित करने के लिए किया जा सकता है ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जम्मू.कश्मीर राज्य का पर्याप्त प्रतिनिधित्व किया जा सकेए ताकि राज्य के खिलाफ पाकिस्तानी दुष्प्रचार का तथ्यों और आंकड़ों के साथ मुकाबला किया जा सके।

# कश्मीर में इस साल पड़ रही असामान्य सर्दी

**श्रीनगर 28 जनवरी (हि.स.)।** कश्मीर में इस साल असामान्य सर्दी पड़ रही है। चिलाई कलां जो इसका सबसे कठोर चरण है, बिना किसी महत्वपूर्ण बर्फबारी के पूरा होने वाला है। जबकि क्षेत्र के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान हिमांक से नीचे बना हुआ है। लंबे समय से जारी शुष्क मौसम ने आने वाली चुनौतीपूर्ण गर्मियों को लेकर चिंताएँ पैदा कर दी हैं जिसमें कम जल प्रवाह और समय से पहले बर्फ पिघलने का जोखिम शामिल है। अधिकांश सर्दियों के लिए कश्मीर को लद्दाख से जोड़ने वाले ज़ोजीला, कश्मीर को करनाह से जोड़ने वाले साधना दर्रे और श्रीनगर को गुरेज से जोड़ने वाले राजदान दर्रे जैसे प्रमुख दर्रे काफी हद तक खुले रहे हैं। ये मार्ग जो आमतौर पर सर्दियों के दौरान बर्फ से अवरुद्ध होते हैं, इस मौसम की शुष्क परिस्थितियों की सीमा को दर्शाते हैं। इस बीच कश्मीर संभाग के श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि काजीगुंड और कुपवाड़ा दोनों में -4.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पहलगाम में -6.6 डिग्री सेल्सियस और गुलमर्ग में -5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य क्षेत्रों जैसे खुदवानी में -6.4 डिग्री सेल्सियस, पुलवामा में -5.6 डिग्री सेल्सियस और लारनू में -5.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बडगाम और शोपियां में तापमान -5.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि कोकरनाग में -1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारामुला और गांदरबल में क्रमशः -3.4 डिग्री सेल्सियस और -3.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू में न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि बनिहाल में थोड़ा अधिक 8.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भद्रवाह में 1.7 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडे स्थानों में से एक रहा जबकि सांबा में 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पाडर के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई जहां तापमान -2.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि किश्तवाड़ में 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कठुआ और उधमपुर जैसे अन्य क्षेत्रों में क्रमशः 6.8 डिग्री सेल्सियस और 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

# घाटी में विभिन्न मस्जिदों और दरगाहों पर धार्मिक उत्साह के साथ मनाई गई शब-ए-मेराज

**श्रीनगर, 28 जनवरी (हि.स.)।** कश्मीर घाटी में विभिन्न मस्जिदों और दरगाहों पर धार्मिक उत्साह के साथ शब-ए-मेराज (आरोहण की रात) मनाई गई। मुख्य समारोह डल झील के किनारे स्थित हजरतबल दरगाह में आयोजित किया गया जहां सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को ठंड के बीच रात भर की प्रार्थना में भाग लेने के लिए कश्मीर घाटी भर से हजारों श्रद्धालु उमड़े।

शब-ए-मेराज की पवित्र रात मनाने के लिए सभी आयु वर्ग के लोगों के एकत्र होने पर कई मस्जिदों और दरगाहों को रोशन किया गया। इस्लामी (हिजरी) कैलेंडर के अनुसार शब-ए-मेराज रजब की 27 तारीख को मनाया जाता है और मुसलमानों का मानना है कि इस रात पैगंबर मुहम्मद स्वर्ग की सबसे ऊंची मंजिलों पर चढ़े थे। दुनिया भर में पवित्र रात को मनाने के लिए मुस्लिम श्रद्धालु पूरी रात विशेष प्रार्थना, इस्लामी उपदेश और अन्य धार्मिक गतिविधियों में बिताते हैं। हजरतबल दरगाह में नमाज के बाद श्रद्धालुओं के सामने पवित्र अवशेष प्रदर्शित किए गए। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं के लिए हजरतबल और कश्मीर घाटी के अन्य स्थानों पर सुचारू रूप से नमाज अदा करने के लिए व्यापक व्यवस्था की थी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के अलावा अन्य धार्मिक और राजनीतिक नेताओं ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

# शिवसेना ने जवाबदेही के साथ पुलिस बल को राज्य सरकार के अधीन करने की मांग

**जम्मू 28 जनवरी (हि.स.)।** शिवसेना जम्मू-कश्मीर इकाई ने प्रदेश में ड्यूल पावर सिस्टम को खत्म कर जनता द्वारा चुनी हुई सरकार के अधिकारों की बहाली व जम्मू-कश्मीर पुलिस बल की जवाबदेही तय करने के लिए राज्य सरकार के अधीन करने की मांग की है ।

पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम में पार्टी की नीतियों व विचारों से प्रभावित करीब दो दर्जन युवकों ने पार्टी का दामन थामा। इस मौके पर उपस्थित पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि जम्मू.कश्मीर में लागू ड्यूल पावर सिस्टम से जम्मू संभाग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। शांतिप्रिय माने जाने वाले जम्मू संभाग के आतंकी अपने पांव जमाने की फिराक में है। साल 2024 से जम्मू संभाग के 10 में से 8 जिलों में आतंकी हमले हो चुके हैं। वहीं बढ़ती अपराधिक गतिविधियां, नशा तस्करी, गैंगवार, गौ तस्करी तथा महिलाओं के विरुद्ध अपराधिक घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी से आमजन दहशत के साये में जीने को विवश है।

हाल ही में जम्मू शहर के बीचों बीच दिनदहाड़े चली गोलीबारी और आरोपियों के आसानी से फरार होने तथा सप्ताह तक का समय बीतने के बावजूद पुलिस के खाली हाथ होने से जनता में आशंका का माहौल व्याप्त है। पुलिस अधिकारी इसे गैंगवॉर की आम घटना बता रहे हैं और माननीय उपराज्यपाल द्वारा इस पर कोई प्रतिक्रिया तक देना उचित नहीं समझा गया।

# केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे द्वारा बारामुला जिले की प्रगति की समीक्षा

**श्रीनगर, 28 जनवरी (हि.स.)।** केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने मंगलवार को नीति आयोग के आकांक्षी जिला कार्यक्रम के विभिन्न संकेतकों के तहत जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले की प्रगति की समीक्षा की। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, श्रम और रोजगार राज्य मंत्री करंदलाजे ने डाक बंगले में एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में स्थानीय विधायक जावेद हसन बेग, डिप्टी कमिश्नर (बारामुला) मिंगा शेरपा, दोनों मंत्रालयों और संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। शेरपा ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम के प्रमुख संकेतकों - स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे के तहत जिले के प्रदर्शन का अवलोकन प्रस्तुत किया। मंत्री को बताया गया कि जिले ने नीति आयोग द्वारा जारी अपनी डेल्टा रैंकिंग में उल्लेखनीय प्रगति की है जो सितंबर तक 112 जिलों में 108 से 46 वें स्थान पर पहुंच गई है जिसने 59.30 का समग्र स्कोर हासिल किया है। शेरपा ने स्वास्थ्य और पोषण में सुधार पर प्रकाश डाला जिसमें सुविधाओं का उन्नयन और नए स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल, शिशु और मातृ मृत्यु दर में कमी, तपेदिक के मामलों में कमी और कुपोषण से निपटने में पोषण अभियान का प्रभावी कार्यान्वयन शामिल है।

करंदलाजे को बताया गया कि शिक्षा क्षेत्र में अच्छी प्रगति हुई है जिसमें छात्र नामांकन में पर्याप्त वृद्धि हुई है विशेष रूप से लड़कियों में ड्रॉपआउट दर में उल्लेखनीय कमी आई है, शिक्षकों के कौशल और स्कूल के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और स्मार्ट कक्षाओं का उपयोग करके डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के प्रयास किए गए हैं।

विधायक बेग ने जल की कमी और अन्य विकासात्मक चुनौतियों से संबंधित चिंताओं को उठाया और उनके समय पर समाधान के लिए मंत्री के हस्तक्षेप की मांग की।

करंदलाजे ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को शिशु और मातृ मृत्यु दर के अंतर्निहित कारणों की पहचान करने और मृत्यु दर में और कमी सुनिश्चित करने के लिए लक्षित हस्तक्षेपों को लागू करने के लिए व्यापक शोध करने का निर्देश दिया उन्होंने प्रशासन को विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के कार्यान्वयन की योजना बनाने के निर्देश दिए ताकि स्थानीय स्तर पर उत्पादित सेबों का कुशल उपयोग सुनिश्चित किया जा सके और लंबी दूरी तक परिवहन के दौरान किसी भी प्रकार की बर्बादी को रोका जा सके जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को लाभ मिलेगा।

## ओली सरकार के विरोध में नहीं बोलने का सत्तारूढ़ में शामिल नेपाली कांग्रेस के सांसदों को निर्देश

**एजेंसी**

**कैलिफोर्निया।** दक्षिणी कैलिफोर्निया में 7 जनवरी को शुरू हुई विनाशकारी जंगल की आग ने क्षेत्र की शिक्षा प्रणाली को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। एक दर्जन से अधिक स्कूल गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्कूल के अधिकारियों ने पुनर्निर्माण का चुनौतीपूर्ण कार्य शुरू कर दिया है। उन्हें सैकड़ों मिलियन अमेरिकी डॉलर की जरूरत है और पुनर्निर्माण में वर्षों का समय लगने की संभावना है। कैलिफोर्निया में स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाले गैर-लाभकारी समाचार संगठन कैलमैटर्स के अनुसार, लॉस एंजिल्स काउंटी में कम से कम 12 स्कूलों को भारी नुकसान हुआ है, जिसमें पांच परिसर नष्ट हो गए हैं। लॉस एंजिल्स यूनिफाइड स्कूल डिस्ट्रिक्ट, [देश की दूसरी सबसे बड़े स्कूल सिस्टम], के दो प्राइमरी स्कूल पैसिफिक पैलिसेड्स आग में पूरी तरह से जल गए। वहीं पैलिसेड्स चार्टर हाई स्कूल को भी भारी नुकसान पहुंचा। पासाडेना और अल्ताडेना में, तीन प्राइमरी स्कूल तबाह हो गए। लॉस एंजिल्स काउंटी स्कूल अधीक्षक डेबरा डुआर्डो ने कहा, इन स्कूलों के पुनर्निर्माण में सालों लग सकते हैं। स्कूलों को उम्मीद सिर्फ कैलिफोर्निया के प्रस्ताव 2 से है, जो नवंबर में पारित किया गया 10 बिलियन डॉलर का स्कूल निर्माण बॉन्ड है। इसका मकसद जंगल की आग जैसी आपदाओं से होने वाले नुकसान, उनकी मरम्मत और पुनर्निर्माण प्रयासों के लिए पैसा देना है।

## मुझे लगता है कि हम ग्रीनलैंड को हासिल कर लेंगे - डोनाल्ड ट्रंप

**वाशिंगटन,।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डेनमार्क के नियंत्रण वाले स्वायत्त क्षेत्र 'ग्रीनलैंड' को हासिल करने के लिए अपनी विवादित ख्वाहिश फिर से दोहराई है। उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा, मुझे लगता है कि हम इसे हासिल करने जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक विमान एयर फोर्स वन में मीडिया से बात करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी दावा किया कि आर्कटिक द्वीप के 57,000 निवासी अमेरिका में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूएस प्रेसिडेंट ने कहा, मुझे विश्वास है कि ग्रीनलैंड, हमें मिल जाएगा, यह वास्तव में दुनिया की स्वतंत्रता से जुड़ा मुद्दा है। इसका संयुक्त राज्य अमेरिका से कोई लेना-देना नहीं है, सिवाय इसके कि हम ही स्वतंत्रता प्रदान कर सकते हैं। ट्रंप की टिप्पणी डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के साथ एक फोन कॉल बातचीत के बाद आई। बातचीत के दौरान, ट्रंप ने कथित तौर पर डेनमार्क के निर्यात पर संभावित टैरिफ सहित आर्थिक धमकिया दीं ताकि ग्रीनलैंड का नियंत्रण छोड़ने के लिए दबाव डाला जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक पांच यूरोपीय अधिकारियों ने इस कॉल को 'आक्रामक' और 'संभावित रूप से बहुत खतरनाक' बताया।

## युद्धविराम समझौते के 60 दिन पूरे, लेबनान पर इजरायल ने किया हमला, 22 की मौत 124 घायल

**बेरूत ।** लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में अपने घर लौटने की कोशिश कर रहे लोगों पर इजरायली हमले हुए, जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई, जिनमें छह महिलाएं भी शामिल हैं। इसके अलावा, 124 लोग घायल हो गए हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि घायलों में 12 महिलाएं और इस्लामिक स्काउट एसोसिएशन का एक सदस्य भी था जो मानवीय बचाव मिशन का काम कर रहा था। एक लेबनानी सैन्य सूत्र ने सिन्हुआ को बताया कि इजरायली सेना, मर्कवा टैंक और बुलडोजर के साथ मेस अल-जबल गांव में नागरिकों की भीड़ की ओर बढ़ी और निवासियों को डराने और वहां से भगाने के लिए भारी गोलीबारी की।सूत्र ने कहा कि इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान के नकौरा में स्थित संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल के मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर मुख्य सड़क को भी बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि सेना ने मेस अल-जबल और अरकोब हाइट्स पर कई बार फायरिंग की। समाचार एजेंसी के मुताबिक, पूर्वी लेबनान और दक्षिण-पूर्वी लेबनान के शेबा क्षेत्र के पश्चिम में माउंट सदानेह की ओर भी मशीन-गन से गोलियां दागी गईं। 60 दिनी युद्धविराम की समय सीमा खत्म हो गई। इजरायल और लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह के बीच महीनों के संघर्ष के बाद नवंबर के अंत में युद्धविराम समझौता हुआ था। इसके तहत लेबनानी सेना को लितानी नदी के दक्षिण क्षेत्रों में रहने, वहां सुरक्षा सुनिश्चित करने और हथियारों या आतंकवादियों की मौजूदगी को रोकने की जिम्मेदारी थी।

## संघर्ष विराम के बीच मिस्र ने गाजा में राहत सामग्री से भरे 310 ट्रक भेजे

**काहिरा ।** इजरायल-हमास युद्धविराम पर मिस्र, कतर और अमेरिका ने मध्यस्थता की। इसके बाद, मिस्र ने गाजा पट्टी के लिए राहत सामग्री से भरे 310 ट्रक राफा सीमा के पार भेजे। यह जानकारी मिस्र की राज्य सूचना सेवा (एसआईएस) ने दी है। एसआईएस की रिपोर्ट में कहा गया, ÷काफिले में 20 ट्रक ईंधन से भरे हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार, इन ट्रकों को गाजा भेजने से पहले इजरायल द्वारा जांच की जाएगी। यह जांच अल-औजा (नित्ज़ाना) और केरेम शालोम क्रॉसिंग से होगी। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) के अनुसार, 19 जनवरी को युद्धविराम शुरू हुआ। इसके पहले छह दिनों में 4,200 से अधिक सहायता ट्रक गाजा पहुंचे। इससे पहले मिस्र के एक सुरक्षा अधिकारी और मिस्र रेड क्रिसेंट के एक अन्य अधिकारी ने सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि मिस्र ने सहायता ट्रकों के साथ फिलिस्तीनी शहरों की ओर जाने वाली सड़कों को ठीक करने के लिए भारी मशीनें भेजी हैं।

## यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी के नेताओं ने पीओजेके-पीओजीबी में जनसांख्यिकीय परिवर्तन की निंदा की

**एजेंसी**

**मुजफ्फराबाद।** पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) और पाकिस्तान अधिकृक गिलगित बाल्टिस्तान (पीओजीबी) में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन की निंदा शुरू हो गई है। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष जमील मकसूद ने कहा है कि क्षेत्र की आबादी और सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को बदलने के लिए पाकिस्तानी सरकार के रणनीतिक प्रयास स्वदेशी लोगों के अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। जमील मकसूद ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक चर्चा में कहा- जनसांख्यिकीय परिवर्तन, जिसमें गैर-स्थानीय बसने वालों की आमद शामिल है, पाकिस्तान के राजनीतिक और आर्थिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इससे क्षेत्र के मूल निवासियों की शक्ति और प्रभाव को कम किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय संपत्ति और नागरिकों के लिए सुरक्षा का अभाव है, जिसके

कारण स्वदेशी समुदाय हाशिए पर चले गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की सांस्कृतिक पहचान और संसाधनों का दमन पीओजेके और पीओजीबी के जनसांख्यिकीय ताने-बाने को बदल रहा है। यूकेपीएनपी के अध्यक्ष सरदार शौकत अली कश्मीरी ने भी चर्चा में इन क्षेत्रों में भूमि पर कब्जे की स्थिति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में उद्योगों की कमी और बाहरी लोगों द्वारा भूमि खरीदे जाने की बढ़ती प्रवृत्ति ने तनाव को और बढ़ा दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हुंजा जिले जैसे पीओजीबी में स्थानीय निवासी तेजी से अपनी जमीन गैर-स्थानीय लोगों को खो रहे हैं, जिससे वे अपने आर्थिक और सामाजिक अधिकारों से वंचित हो रहे हैं।

शौकत अली कश्मीरी ने निंदा करते हुए कहा कि नियंत्रण बनाए रखने के लिए लोगों के बीच नफरत फैलाने की सरकार की रणनीति भी क्षेत्र में जनसांख्यिकीय प्रक्रिया को प्रभावित कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एक दिन कब्जाधारियों को क्षेत्र छोड़ना होगा, जिससे लोगों को अपने अधिकार वापस मिल सकें और शांति बहाल हो सके। दोनों नेताओं ने इन अधिकृत क्षेत्रों में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर वैश्विक ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पीओजेके और पीओजीबी के लोगों के लिए न्याय और आत्मनिर्णय की लड़ाई का समर्थन करने का आग्रह किया।

## इजरायल, हमास छह बंधकों को करेंगे रिहा

**एजेंसी**

**दोहा।** इजरायल और हमास ने इस सप्ताह छह इजरायली बंधकों की रिहाई और गाजा के विस्थापित निवासियों को दक्षिण से उत्तरी इलाकों में लौटने की अनुमति देने पर सहमति

जतायी है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ÷मध्यस्थों की ओर से किए जा रहे निरंतर प्रयासों के तहत, दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ है। जिसमें कहा गया कि इजरायली बंधक अर्बेल यहूदा और दो अन्य बंधकों को शुक्रवार से पहले रिहा किया जाएगा। इसके अलावा, तीन और बंधक शनिवार को हमास की ओर से रिहा किए जाएंगे। उन्होंने कहा, इसके बदले में, इजरायली अधिकारियों ने सोमवार सुबह से गाजा पट्टी के विस्थापित नागरिकों को दक्षिण से उत्तरी इलाकों में लौटने की अनुमति देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा इजरायल समझौते के पहले चरण के दौरान हर रविवार को सात अक्टूबर 2023 से अब तक गिरफ्तार 400 व्यक्तियों की सूची प्रदान करेगा।

## अफगानिस्तान में विस्फोट से एक बच्चे की मौत, पांच घायल

**एजेंसी**

**गरदेज।** अफगानिस्तान के पूर्वी पकतिया प्रांत के जाजाई अरयूब जिले में रविवार को एक विस्फोटक उपकर से खेलने के दौरा अचानक हुए विस्फोट में एक बच्चा मारा गया और अन्य पांच घायल हो गये हैं। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुनिब जद्रान ने बताया कि पिछले युद्धों के दौरान बिना उपयोग में लाये गये एक विस्फोटक उपकरण के जमीन में पड़ा हुआ था। रविवार को बच्चों ने विस्फोटक उपकरण को खिलौना समझकर उससे खेलने लगे तभी अचानक से विस्फोट हो गया, जिससे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई और अन्य पांच घायल हो गए। घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। युद्धग्रस्त अफगानिस्तान दुनिया के सबसे अधिक बारूदी सुरंगों से प्रदूषित देशों में से एक है, जहां पिछले दशकों में युद्धों से बचे

विस्फोटक उपकरणों में विस्फोट होने के कारण हर महीने कई लोग मारे जाते हैं। इनमें से अधिकतर बच्चे होते हैं। जो या तो मारे जाते हैं अन्यथा अपंग हो जाते हैं।

पिछले साल अक्टूबर में जारी संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय की एक रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान में 2024 के पहले छह महीनों में बारूदी सुरंगों और विस्फोटक उपकरणों में विस्फोट होने से 292 लोगों की जान चली गई थी।

## गाजावासियों की घर वापसी एक 'जीत', इजरायल फिर नाकाम : हमास

**एजेंसी**

**तेल अवीव ।** 15 महीने की जंग के बाद, इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम समझौते के तहत सुबह से हजारों गाजावासियों ने अपने घर लौटना शुरू कर दिया। हमास ने इस वापसी को फिलिस्तीनियों की एक जीत बताया। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक हमास के सहयोगी, फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद ने कहा कि यह ÷उन सभी लोगों के लिए एक जवाब है जो हमारे लोगों को विस्थापित करने का सपना देखते हैं। सुबह, फिलिस्तीनी अपने सामान को बोरियों और प्लास्टिक की थैलियों में पकड़े हुए - नेत्जारिम कॉरिडोर के माध्यम से पैदल ही उत्तर की ओर बढ़ने लगे। रिपोर्ट के मुताबिक एक बयान में, हमास ने कहा कि जिन क्षेत्रों से फिलिस्तीनियों को जबरन विस्थापित किया गया था, वहां वापस लौटना उनकी अपनी भूमि से उनके जुड़ाव को दर्शाता है। एक बार फिर %लोगों को विस्थापित करने और उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति को तोड़ने का मकसद हासिर करने में इजरायल नाकाम रहा। युद्ध के शुरुआती दिनों में, इजरायली हमलों की वजह से उत्तरी गाजा से लगभग 1.1 मिलियन लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा था।

इससे पहले इजरायल ने हजारों विस्थापित फिलिस्तीनियों को अपने घर लौटने से रोक दिया था। शनिवार रात से बढ़ी संख्या में गाजावासी सड़कों पर उतर आए और गाजा जाने का इंतजार कर रहे हैं। घर जाने की कोशिश में कर रहे एक फिलिस्तीनी युवक इजरायली बलों ने गोली मार कर हत्या कर दी जबकि कुछ अन्य लोग घायल हो गए थे। यह पूरा विवाद दरअसल इजरायली नागरिक अर्बेल येहुद की रिहाई को लेकर पैदा हुआ।

जब दूसरी बार कैदियों की अदला बदला हुई तो लगा कि घटनाक्रम युद्धविराम समझौते की शर्तों के मुताबिक ही घट रहा है लेकिन अचानक इजरायल की एक घोषणा ने सबकुछ बदल दिया। हमास ने चार इजरायली महिला सैनिकों को रिहा किया, बदले में इजरायल ने 200 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया। इसके बाद इजरायल ने ऐलान किया कि वह गाजावासियों को उत्तरी गाजा पट्टी में तब तक प्रवेश नहीं करने देगा, जब तक कि नागरिक अर्बेल येहुद की रिहाई के लिए व्यवस्था नहीं हो जाती।

## इंडोनेशिया : पश्चिम सुलावेसी में भूस्खलन से 4 लोगों की मौत

**एजेंसी**

**जकार्ता।** इंडोनेशिया के पश्चिम सुलावेसी प्रांत के मामुजू रीजेंसी में भूस्खलन में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। देश के आपदा प्राधिकरण ने यह जानकारी दी

मामुजू क्षेत्रीय आपदा शमन एजेंसी के प्रमुख तस्लीम सुकिर्नो ने कहा कि भूस्खलन स्थानीय समयानुसार रविवार को रात करीब 11¬15 बजे मामुन्यू गांव में हुआ। इस क्षेत्र में आठ घंटे से अधिक समय तक भारी बारिश हुई थी। प्राधिकरण की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, मारे गए लोगों में से एक एक महीने का शिशु था। भूस्खलन से दो घर भी दब गए। स्थानीय मीडिया ने उनके हवाले से कहा, सभी पीड़ितों को स्ट्रेचर और एम्बुलेंस का उपयोग करके निकाला गया है, और घायलों को मामुजू जिला अस्पताल में गहन देखभाल मिल रही है। अधिकारी ने कहा कि सरकार ने निकासी के लिए कर्मियों को नियुक्त किया था, लेकिन यह प्रक्रिया कठिन थी क्योंकि भूस्खलन के मलबे और गिरे हुए पेड़ों ने पहुंच को अवरुद्ध कर दिया था।

## धोखाधड़ी के शिकार, जबरन काम करने को मजबूर 67 भारतीयों को, साइबर-स्कैम केंद्रों से बचाया गया

**एजेंसी**

**वियनतियाने।** लाओस में भारतीय दूतावास ने घोषणा की कि उसने 67 भारतीय युवाओं को लाओस के बोकेओ प्रांत स्थित गोल्डन ट्राइंगल स्पेशल इकोनॉमिक जोन (जीटीएसईएड) से सुरक्षित रूप से बचाया है। ये सभी भारतीय साइबर-स्कैम केंद्रों में धोखाधड़ी और तस्करी का शिकार हो गए थे, जहां उन्हें अपराधी समूहों द्वारा काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। इन भारतीयों को डर और धमकियों के तहत काम करने के लिए मजबूर किया गया था। भारतीय दूतावास ने बताया कि जब इन युवाओं ने मदद के लिए संपर्क किया, तो दूतावास ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और उनकी सहायता के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए। दूतावास के अधिकारियों ने जीटीएसईजेड का दौरा किया और लाओस के संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर उन सभी को वहां से निकालने की

प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद, इन युवाओं को विएंतियाने स्थित दूतावास में लाने के लिए उनके परिवहन का भी इंतजाम किया गया। दूतावास ने उन्हें रहने और खाने की व्यवस्था भी प्रदान की। भारत के राजदूत प्रशांत अग्रवाल ने बचाए गए भारतीयों से मुलाकात की और उनके सामने आने वाली कठिनाइयों के बारे में बातचीत की। उन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षित वापसी के लिए दूतावास उनकी पूरी मदद करेगा। उन्होंने कहा, ÷भारत में उनकी सुरक्षित वापसी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम उन्हें पूरी सुरक्षा और समर्थन प्रदान करेंगे, और उन्हें धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की भी सलाह दी। भारतीय दूतावास ने लाओस के अधिकारियों को धन्यवाद दिया और उनसे अपील की कि वे अपराधी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। यह मामला उच्चतम स्तर पर उठाया गया है और अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है कि भविष्य में इस तरह के मामलों से बचा जा सके अब तक, भारतीय दूतावास ने 924 भारतीयों को इस प्रकार के स्कैम से बचाया है, जिनमें से 857 को भारत सुरक्षित रूप से वापस भेजा जा चुका है। दूतावास ने इस मुद्दे पर और अधिक चेतावनी जारी की है, खासकर उन युवाओं के लिए जो विदेशों में नौकरी की तलाश कर रहे हैं।

## पाकिस्तान के मुल्तान में एलपीजी टैंकर में विस्फोट, छह की मौत, 38 घायल

**एजेंसी**

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुल्तान के हामिदपुर कनोरा इलाके के औद्योगिक एस्टेट में तड़के एलपीजी टैंकर में हुए विस्फोट के बाद आग लग गई। इस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। मृतकों में एक नाबालिग लड़की और दो महिलाएं भी हैं। घायलों में से 13 की हालत नाजुक बताई गई है। जियो न्यूज की खबर के अनुसार एलपीजी टैंकर में हुए विस्फोट से पाकिस्तान के सातवें सबसे बड़े शहर मुल्तान में आसपास के रिहायशी इलाकों में काफी विनाश हुआ है। राहत और बचाव अधिकारियों ने कहा कि दस से अधिक दमकल वाहनों की मदद से घंटों के प्रयास के बाद आग बुझा दी गई। शुरुआत में इस विस्फोट में कुल पांच लोगों के मारे जाने की

खबर थी, लेकिन विस्फोट से क्षतिग्रस्त एक घर से एक और शव बरामद किया गया। इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री ख्वाजा सलमान रफीक ने हादसे पर दुख जताया है।

पुलिस के अनुसार विस्फोट स्थल के आसपास के कम से कम 20 घर पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गए, जबकि 70 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। मुल्तान शहर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सादिक अली ने बताया कि आग में झुलसे कई पशुओं की मौत हो गई। उन्होंने खुलासा किया कि औद्योगिक एस्टेट में खड़े टैंकर के एक वाल्व से गैस लीक हो रही थी। टैंकर में विस्फोट होने से पहले ही गैस की गंध आने के बाद इलाके में मौजूद कुछ लोग वहां से हट गए थे। अली ने आगे कहा कि घायलों में 13 की हालत गंभीर है।

जिला आपातकालीन अधिकारी ने कहा कि एहतियात के तौर पर इलाके में बिजली और गैस की आपूर्ति निलंबित कर दी गई। स्थानीय लोगों को विस्फोट स्थल से दूर रहने की सलाह दी गई है। पुलिस का कहना है कि यह टैंकर अवैध एलपीजी रिफिलिंग गोदाम में खड़ा था। विस्फोट में इस गोदाम को भारी क्षति हुई है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विस्फोट में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अधिकारियों को टैंकर विस्फोट के कारणों की जांच करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है। इस बीच, मुल्तान संभागीय प्रशासन ने अवैध गैस रिफिलिंग साइटों पर कार्रवाई शुरू करने का फैसला किया। जिला आयुक्त अमीर करीम खान ने कहा कि इलाके को सील कर दिया गया है। अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों से 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट मांगी गई है। साथ ही एलपीजी कंटेनर और टैंकरों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

## संदिग्ध आतंकवादियों ने 22 नाइजीरियाई सैनिकों की हत्या की

**एजेंसी**

**अबुजा।** नाइजीरिया के पूर्वोत्तर राज्य बोर्नो के एक दूरदराज के कस्बे में संदिग्ध आतंकवादियों ने कम से कम 22 नाइजीरियाई सैनिकों की हत्या कर दी। वहीं, कई अन्य सैनिक घायल हैं।

सेना के प्रवक्ता एडवर्ड बुबा ने अबुजा में समाचार एजेंसी सिन्हुआ से एक बयान में हताहतों की संख्या की पुष्टि की। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि हमला कहां और कब हुआ। प्रवक्ता ने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला करने की योजना बनाई थी। सैनिकों पर हाल ही में हुए हमले से पहले बोर्नो में सैन्य ठिकानों पर कई आतंकवादी हमले विफल हो गए थे, जिनमें से कुछ हमलों में सेना ने आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए गए ड्रोनों को मार गिराया था।

उन्होंने कहा कि सेना ने इससे पहले कम से कम 70 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया था, जिनमें एक ब्रिगेड कमांडर और पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक सशस्त्र समूह के विशेष बल कमांडर भी शामिल थे।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को स्थानीय मीडिया ने बताया था कि बोर्नो में सेना के बेस पर हुए हमले में मारे गए लोगों में एक अन्य उच्च पदस्थ कमांडर भी शामिल था।

नाइजीरिया के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में सशस्त्र हमले एक प्रमुख सुरक्षा खतरा रहे हैं, जिसके कारण हाल के महीनों में मौतें और अपहरण की घटनाएं हुई हैं। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने कहा कि संघर्ष के कारण अफ्रीका अपनी क्षमता खो रहा है, जिससे महाद्वीप को प्रतिवर्ष अनुमानतः 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो रहा है और लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अफ्रीका में वर्तमान में 3.5 करोड़ आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्ति, 89 लाख शरणार्थी, 11 लाख शरण चाहने वाले और 10 लाख राज्य विहीन व्यक्ति हैं।

उन्होंने केन्या की राजधानी नैरोबी में एयू संस्थागत सुधारों पर आयोजित उच्च स्तरीय विस्तारित ब्यूरो रिट्रीट के दौरान कहा, ÷अप्रैल और जून 2024 के बीच अकेले अफ्रीका भर में कुल 1,000 आतंकवादी घटनाएं दर्ज की गईं, जिसके कारण 4,818 मौतें हुईं।

## पिछले सप्ताह लीबियाई तट से 1,313 प्रवासियों को बचाया गयाः आईओएम

**एजेंसी**

**त्रिपोली ।** इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) ने कहा कि पिछले सप्ताह लीबिया के तट से 1,313 प्रवासियों को बचाया गया।

आईओएम ने एक बयान में कहा, 19 से 25 जनवरी तक 1,313 प्रवासियों को रोका गया और वे लीबिया लौटाया गया। आईओएम ने कहा कि प्रवासियों में 160 से अधिक महिलाएं और 60 से अधिक बच्चे शामिल हैं, प्रवासियों के दो शव बरामद किए गए हैं।आईओएम ने कहा कि इस साल अब तक 1,806 प्रवासियों को रोका गया है और वे लीबिया लौट आए हैं, जबकि 32 अन्य की मध्य भूमध्यसागरीय मार्ग पर मौत हो गई।2011 में दिवंगत नेता मुअम्मर गद्दाफी के पतन के बाद से देश में असुरक्षा और अराजकता के कारण, कई प्रवासियों, जिनमें ज्यादातर अफ्रीकी थे, ने लीबिया से यूरोपीय तटों तक भूमध्य सागर पार करने का विकल्प चुना।

## भयानक ठंड : इस देश में शून्य से 44.4 डिग्री सेल्सियस नीचे गया तापमान

**एजेंसी**

उलान बाटोर। पश्चिमी मंगोलिया के जावखान प्रांत के प्रशासनिक उपखंड ओटगोन सोम में शनिवार से रविवार की रात के दौरान तापमान शून्य से 44.4 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया। देश की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान और पर्यावरण निगरानी एजेंसी ने यह जानकारी दी।

मौसम निगरानी एजेंसी ने एक बयान में कहा कि इस शीत ऋतु में मंगोलिया में यह अब तक का सबसे ठंडा तापमान है। एजेंसी ने पूर्वानुमान लगाया है कि मंगोलिया के अधिकांश हिस्सों में सर्दियों के दौरान दीर्घकालिक औसत से अधिक ठंड पड़ेगी।

समाचार एजेंसीकी रिपोर्ट के अनुसार, वीकेंड में देश के मौसम अधिकारियों ने लोगों को आने वाले दिनों में अत्यधिक ठंड के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी थी। चेतावनी में कहा गया कि शनिवार से रूस के साइबेरिया से आने वाली ठंडी हवा मंगोलिया के बड़े हिस्से में फैल जाएगी, जिससे रात का तापमान शून्य से 40 डिग्री सेल्सियस नीचे जा सकता है।

एजेंसी ने कहा, पिछले वर्ष हमारे देश में सबसे कम तापमान 23 जनवरी को पश्चिमी प्रांत जावखान में शून्य से 48.8 डिग्री

सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था। इसने भविष्यवाणी की कि इस वीकेंड में पश्चिमी क्षेत्रों में भी ऐसी ही स्थिति रहेगी। देश के अन्य भागों, विशेषकर राष्ट्रीय राजधानी उलान बाटोर में, हाल के दिनों की तुलना में तापमान 10-15 डिग्री कम रहने की संभावना है औक पूरे वीकेंड भारी बर्फबारी की संभावना है।

अपनी सख्त महाद्वीपीय जलवायु के साथ, एशियाई देश में लंबी और कड़ाके की ठंड पड़ती है। तापमान शून्य से 25 डिग्री सेल्सियस नीचे होता है। पिछली सर्दियों में, देश के लगभग सभी 21 प्रांतों में चरम ठंड की स्थिति थी, साथ ही रिकॉर्ड बर्फबारी भी हुई, जो 1975 के बाद सबसे अधिक थी। देश का लगभग 90 प्रतिशत क्षेत्र 100 सेंटीमीटर मोटी बर्फ से ढका हुआ था, जिसके कारण लगभग आठ मिलियन पशुधन की मृत्यु हो गई।

# जम्मू-कश्मीर को बदलने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं : उपमुख्यमंत्री

**जम्मू 28 जनवरी।** उपमुख्यमंत्री ने गुलिस्तान न्यूज नेटवर्क द्वारा आयोजित 'बदलता जम्मू-कश्मीर' कॉन्क्लेव में वर्तमान सरकार द्वारा शुरू किए गए जन-हितैषी उपायों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर को बदलने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

कॉन्क्लेव में स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू, कृषि एवं बागवानी मंत्री जावेद डार, एफसीएस एवं सीए मंत्री सतीश शर्मा, विधायक, डीडीसी सदस्य, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद, मीडियाकर्मी और विभिन्न क्षेत्रों के लोग शामिल हुए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जब से वर्तमान सरकार ने कार्यभार संभाला है, तब से जम्मू-कश्मीर को भारत का सबसे विकसित हिस्सा बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा इन प्रमुख कार्यक्रमों से सामाजिक-आर्थिक और विकासात्मक पहलों को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को लाभ मिलेगा। एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम जम्मू-

कश्मीर को विशेष दर्जा बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों पहले ही राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा कर चुके हैं और हम इस वादे को पूरा करने के लिए तत्पर हैं। खनन कार्यों को सुव्यवस्थित करने के लिए की गई पहलों का उल्लेख करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि खनिजों के अवैध निष्कर्षण को रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों को अंजाम देते समय क्षेत्र की पारिस्थितिकी की सुरक्षा के लिए तंत्र भी तैयार किया गया है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आवश्यक हस्तक्षेप के माध्यम से स्थानीय उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा हम स्थानीय औद्योगिक क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और उत्प्रेरित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को अपेक्षित बढ़ावा मिले। यह हमारे कुशल और गैर-कुशल युवाओं के लिए रोजगार सृजन सुनिश्चित करने में भी एक लंबा रास्ता तय करेगा। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने का जिक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पीर पंचाल रोड नेटवर्क को 4 लेन सड़कों के प्रावधान पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है ताकि यात्रा का समय कम हो और लोगों को लाभ मिल सके।

## स्थानीय समाचार

### उपराज्यपाल ने श्री राम यूनिवर्सल स्कूल, जम्मू के विद्यार्थियों से मुलाकात की

**जम्मू 28 जनवरी।** उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्री राम यूनिवर्सल स्कूल, जम्मू के विद्यार्थियों से मुलाकात की।

उपराज्यपाल ने विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए युवा दिमागों के समर्पण की सराहना की, क्योंकि उन्होंने क्षेत्र में एक विज्ञान शहर की स्थापना की वकालत करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने आष्वासन दिया कि उनके द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर उचित विचार किया जाएगा।

उपराज्यपाल ने विद्यार्थियों को उनकी आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

विद्यार्थियों के साथ स्कूल के चेयरमैन संजीव गुप्ता, निदेशक रजनी गुप्ता और प्रिंसिपल सोनिका महाजन भी थीं।

### जेकेएएसीएल ने 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय उर्दू मुशायरा का आयोजन किया

**जम्मू 28 जनवरी।** जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी ने इस शाम अभिनव थिएटर, जम्मू में प्रतिष्ठित अखिल भारतीय उर्दू मुशायरा का आयोजन किया।

इस अवसर पर विभिन्न भाषाओं के लेखकों और बुद्धिजीवियों की मौजूदगी रही।

संस्कृति एवं स्कूली शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव सुरेश कुमार गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

अपने संबोधन में सुरेश गुप्ता ने कहा कि मुशायरे का मुख्य उद्देश्य कविता की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से भारत की विविधता का जश्न मनाना है, जो विभिन्न पृष्ठभूमि और क्षेत्रों के लोगों को जोड़ने वाले पुल का काम करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कविता हमारे जैसे बहुभाषी राष्ट्र में एकता, सद्भाव और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली माध्यम है।

उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय कला, संस्कृति और भाषाओं के समग्र प्रचार के लिए जेकेएएसीएल में 31 नई योजनाएं शुरू की जा रही हैं।

जेकेएएसीएल की सचिव हरविंदर कौर ने वरिष्ठ कवियों, साहित्यकारों और सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 1960 में शुरू हुआ यह आयोजन एक वार्षिक परंपरा बन गया है और उर्दू साहित्य और कविता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है।

इस साल का मुशायरा 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था, जिसमें जम्मू-कश्मीर और देश के अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रसिद्ध कवि एक साथ आए थे।

उन्होंने रचनात्मकता को बढ़ावा देने, नए विचारों को पोषित करने और हमारी सांस्कृतिक और भाषाई विरासत को संरक्षित करने में इस मुशायरे जैसे साहित्यिक आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुशायरे में दिल्ली से चंदर भान खाल, मुंबई से राजेश रेड्डी, लखनऊ से मनीष शुक्ला, दिल्ली से डॉ. सुनीता रैना, उत्तराखंड से मोहन मुंतज़िर, दिल्ली से मोनिका देहलवी, देहरादून से अमजिद खान अमजिद, फरीदाबाद से दीपक गुप्ता, मुंबई से असद मेहताब असद और धर्मशाला से कृष्ण कुमार तूर सहित देश भर के प्रसिद्ध कवियों द्वारा मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति दी गई।

स्थानीय शायरों ने भी अपने मनमोहक शेरों से मुशायरे को समृद्ध बनाया, उल्लेखनीय प्रतिभागियों में प्रितपाल सिंह बेताब (जम्मू), डॉ. लियाकत जाफरी (जम्मू), सोहिल सिद्दीकी (भद्रवाह), मुमताज अहमद (राजौरी), डॉ. शफ़क सोपोरी (श्रीनगर), गुलज़ार जाफ़र (कुपवाड़ा), शबीना आरा (कुलगाम), काजी अख्तर (श्रीनगर) और डॉ. ताहिर तनवीर षमिल हैं। प्रत्येक कवि ने अपनी विचारोत्तेजक कविता से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, पारंपरिक विषयों को समकालीन सुझाव के साथ मिश्रित किया और उर्दू कविता के कालातीत आकर्षण को मजबूत किया।

गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, जेकेएएसीएल भी 30 जनवरी 2025 को अभिनव थियेटर, जम्मू में डोगरी कवि सम्मेलन के आयोजन की मेजबानी करेगा।

### राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से लोगों के स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च में 16 हजार करोड़ की हुई बचत : जेपी नड्डा

**नई दिल्ली, 28 जनवरी।** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से गरीब लोगों के स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च में 16 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। इस मिशन पर केंद्र सरकार ने साल 2014-15 में 24,243 करोड़ खर्च को बढ़ाकर 2024-25 में 59,740 करोड़ खर्च किया। जो पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में 184 प्रतिशत की वृद्धि है। यही नहीं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के कई लक्ष्य समय से पहले हासिल करने में भी सफलता मिली है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया मिशन से लेकर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम(पीएमएनडीपी) और राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम तक, ये पहल सभी के लिए स्वास्थ के मंत्र के साथ स्वस्थ भारत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रही हैं। यह परिवर्तन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और हमारे स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोगात्मक प्रयासों के कारण संभव हुआ है। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के प्रमुख डा राजीव बहल और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक अनुराधा पटनायक मौजूद रहे। मंत्री नड्डा ने कहा कि सरकार ने समाज के सभी वर्गों को पिछले 10 वर्ष में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से राहत दी है। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन, टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, इंद्रधनुष मिशन के अच्छे नतीजे आएं हैं। शिशु मृत्यु दर, मातृ- शिशु मृत्यु दर और प्रजनन दर में गिरावट हुई है। उन्होंने कहा कि मिशन के अंतर्गत समूह विशेष और क्षेत्र विशेष को लक्षित कर काम किया जा रहा है तथा इसके बेहतर परिणाम सामने आए हैं।